CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-14, अंक-358
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, रविवार 31 मार्च 2024

पेज-04

आज का विचार

अच्छे संस्कार और अच्छा व्यवहार आपकी वह कमाई है,जो जिंदगी भर आपके काम आती है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर में ऐसा पहली बार...रंगारंग गेर में शामिल हुए मुख्यमंत्री

रंगों से सराबोर हुआ इंदौर का राजवाड़ा क्षेत्र

सालों पुरानी परंपरा को निभाते हुए शनिवार को इंदौर के लोग रंगपंचमी पर गेर में रंगों से सराबोर हुए। सुबह 10 बजने के साथ ही आसपास विभिन्न हिस्सों से लोगों का हूजुम शहर की हृदयस्थली राजवाड़ा पर उमड़ने लगा था। रंगपंचमी की गेर में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करीब दोपहर 12 बजे पहुंचे। मुख्यमंत्री ने इंदौरवासियों के साथ जमकर होली खेली।

इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में रंग पंचमी के पर्व पर गेर निकालने का सिलसिला जारी रहा, जहां शहर में सुबह से ही रंग पंचमी का पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। अबकी बार रंग पंचमी पर निकलने वाली गेर में सीएम डॉ. मोहन यादव शामिल हुए, जहां सीएम डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ रंग पंचमी की रंगारंग गैर का आनंद लिया। रंग पंचमी की रंगारंग गेर अलग-अलग मार्गों से निकलते हुए शहर की हृदय स्थली राजवाड़ा पहुंची, जहां बड़ी संख्या में लोग गेर का हिस्सा बनने पहुंचे थे। इंदौर आए सीएम डॉ. मोहन यादव को कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और जनप्रतिनिधियों ने रंग लगाकर रंग पंचमी की शुभकामनाएं दी। इंदौर से रवाना के बीच वे लोधीपुरा से शकर बाजार तक लगभग एक किमी गेर में साथ रहे। हिंदरक्षक संस्?था की गेर में सीएम विधायक मालिनी गौड़ और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ बड़े रथ में सवार हुए। वे शहरवासियों पर रंग और गुलाल की बौछार करते भी नजर आए। पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था - रंगपंचमी पर अलग-अलग मार्गों से निकलने वाली गेर राजवाड़ा पहुंचती है, जहां शहर की जनता भी रंगों में सराबोर नजर आती है। अबकी बार इंदौर की इस गौरवशाली परंपरा को देखने के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव भी इंदौर आए हैं, जहां इसी के चलते पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया की, सुरक्षा के लिहाज से पूरे क्षेत्र को 9 सेक्टर में बांटा गया है, जहां 9 ड्रोन भी लगाएं जाएंगे, और सीसीटीवी कैमरों का जाल भी बिछाया जाएगा। इसी के साथ पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने बताया कि, हमने पहले ही लोगों ने जूते-चप्पल और टाट ना फेंकने की अपील की है।

सीएम बोले- इंदौर की गेर को यूनेस्को में शामिल कराने के लिए सरकार भी करेगी प्रयास

मुख्यमंत्री मोहन यादव दो घंटे से ज्यादा समय गेर में शामिल हुए। मालवी पगड़ी पहने रंग-गुलाल में तर मुख्यमंत्री खुद लोगों पर गुलाल बरसा कर लोगों को अभिवादन कर रहे थे। जगह-जगह लोगों पर उन्होंने गुलाल उड़ाया। अभिवादन भी स्वीकार किया। जब लौटे तो रंग और पानी से तरबतर होकर। दोनों हाथ उठाकर वह इंदौर की गेर से रवाना हुए। इससे पहले उन्होंने मीडिया से चर्चा में कहा कि गुजरात का गरबा यूनेस्को में शामिल कुछ समय पहले हुआ है। इंदौर के रंगों की इस गेर को भी यूनेस्को से जोड़ने का काम हो रहा है। इसके लिए सरकार भी प्रयास करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रंगों का यह त्योहार परस्पर भाईचारा बढ़ाने वाला है। हम सब अपने जीवन की कलुष्ता मिटाकर रंगों के त्योहार में डूब जाते है।प्रेम रंग में डूबकर हम तमाम दुश्मनियां भूल जाते है। यह त्योहार शोक निवारण का भी है।होली से लेकर पंचमी तक मालवा में हर दिन आनंद के साथ गुजरता है। इंदौर में तो इसका अंदाज ही निराला है। यहां मालवा के लोग जुटते है। मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की वजह से अब दुनिया हमारी तरफ देख रही है। हमारे देश की कला, संस्कृति, वैभव में अलग ही आनंद और मस्ती है। उन्होंने कहा कि रंगपंचमी भी एक तरह से नए साल की तरह मनाई जाती है।

शहरवासियों ने राजवाड़ा में एंबुलेंस को रास्ता देकर पेश की मिसाल

रंग पंचमी के त्योहार पर लोग रंगों के साथ उत्साह में रंगे नजर आए। इस बीच शहरवासियों ने मानवता की मिसाल भी पेश की है। पहले गेर में राजवाड़ा पर लोग जमकर होली खेल रहे थे, तभी एक एंबुलेंस आ गई और रंगप्रेमी जनता ने तुरंत जगह बनाकर एंबुलेंस को आसानी से रास्ता दिया।

रंगपंचमी पर सतरंगी हुआ इंदौर का आसमान, जमकर उड़ा गुलाल

शहर में कई इलाकों और कॉलोनियों में रंगपंचमी के त्यौहार पर रंग गुलाल खेला गया। वर्षों पुरानी परंपरा निभाते हुए लोग शहर की रंगारंग गेर में शामिल हुए। पूरी सड़क पर लोगों का हुजूम नजर आया। इस बीच लोगों ने अपने घरों की छतों से रंग-गुलाल उंडेलकर गेर में शामिल लोगों का स्वागत किया।
शहर में कई इलाकों और कॉलोनियों में रंगपंचमी के त्यौहार पर रंग गुलाल खेला गया।

निगम के टीम वर्क से डेढ़ घंटे बाद साफ हुई सड़कें

इंदौर। इंदौर में गेर में लाखों लोग शामिल हुए। पांच किलोमीटर लंबे गेर रुट मार्ग पर अबीर-गुलाल की गर्त जमी थी। चारों तरफ कचरा था,लेकिन गेर निकलने के डेढ़ घंटे के बाद सड़क पहले जैसी साफ हो गई। तीन सौ सफाईकर्मी, 50 से ज्यादा अफसर और सफाई में लगे वाहनों के साथ नगर निगम का टीम वर्क एक बार फिर नजर आया। मार्गों से गुलाल उठाकर उन्हें धोया गया। एक बार फिर नगर निगम ने साबित कर दिया कि वह सफाई में देश में नंबर वन है। गेर के कारण राजवाड़ा, खजूरी बाजार, गोराकुंड चौराहा, मल्हारगंज, एमजी रोड, सराफा तक सड़क पर गुलाल, रामरज, मिसाइलों द्वारा उड़ाई गई पेपर की कतरनें बिखरी पड़ी थी। सैकड़ों जूते-चप्पल भी सड़क पर फैले हुए थे। सजृन संस्था की गेर आखरी थी। दोपहर ढाई बजे जैसे ही गेर ने राजवाड़ा की परिक्रमा की। नगर निगम की टीम राजवाड़ा पर सक्रिय हो गई। पहले चार जेसीबी की मदद से सड़कों पर बिखरे गुलाल को एकत्र किया गया। फिर उसे मशीन से उठाकर साफ किया गया। 23 सफाई मशीन, चार जेसीबी, 300 सफाईकर्मियों और 50 अफसरों ने सफाई व्यवस्था को संभाला और देखते ही देखते सड़क साफ होने लगी। लगा ही नहीं कि कुछ समय पहले राजवाड़ा पर लाखों लोगों की भीड़ जुटी होगी। सड़कों से कचरा उठने के बाद पानी के प्रेशर से राजवाड़ा और उसके आसपास की सड़क भी साफ की गई। निगम के अधीक्षण यंत्री महेश शर्मा ने बताया गेर निकलने के बाद हर साल नगर निगम एक से डेढ़ घंटे के भीतर सफाई अभियान चलाता है। इस बार भी नगर निगम की टीम ने कम समय में सड़कें साफ कर दी।

सिंगल कॉलम

गोविंदपुरा की फैक्ट्री में लगी आग, फर्नीचर और रबर का सामान खाक

भोपाल। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकलें मौके पर पहुंची और लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग लगने के कारण फैक्ट्री में रखा काफी सामान जलकर खाक हो गया था। प्राथमिक तौर पर आग लगने की वजह शार्ट सर्किट होना बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र के डी सेक्टर में सन फील्ड नाम से फैक्ट्री स्थित है। जिसमें लोहे के ब्रिज के बेरिंग, पुर्जे आदि सामान बनाया जाता है। शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे फायर कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि फैक्ट्री में आग लग गई है।यह पता चलते ही गोविंदपुरा, पुल बोगदा और फतेहगढ़ से लगभग चार दमकलें और पानी के टैंकर मौके पर पहुंचे। फायर कर्मचारी विजय त्रिपाठी ने बताया कि अमले ने आग बुझाना शुरू कर दिया था लगभग दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया ।बताया जा रहा है कि आग की वजह से फैक्ट्री में रखा अधिक सामान जैसे लकड़ी का फर्नीचर, रबर के सामान जलकर खाक हो गए । फैक्ट्री कर्मचारी दीपक परदेशी ने बताया कि आग को तो काबू पा लिया गया लेकिन काफी सामान जल गया है। आग लगने की वजह शार्ट सर्किट पता चली है नुकसान के बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। हमारी फैक्ट्री में भी आग बुझाने के अग्निशमन यंत्र मौजूद थे, जिनसे भी काबू करने का प्रयास किया गया। हालांकि बाद में दमकलों ने पूरी तरह से आग बुझा दी। जिससे एक बड़ी आगजनी की घटना होने से टल गई।

अभिनेत्री शर्मिला टैगोर पहुंचीं भोपाल, नादिर राशिद को दी श्रद्धांजलि

शहर की सितारा होटल जहांनुमा पैलेस के मालिक नादिर राशिद द्वारा खुदकुशी करने के बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू की है। इसी सिलसिले में श्यामला हिल्स थाना पुलिस शनिवार को नाजिर राशिद की पत्नी सोनिया राशिद के बयान लेने के लिए एक बार फिर श्यामला कोठी पर पहुंची थी। उधर नादिर राशिद की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने के लिए गुजरे जमाने की फिल्म अभिनेत्री और नवाब खानदान की बहू शर्मिला टैगोर शनिवार को भोपाल पहुंचीं। दिवंगत नादिर राशिद की प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में शहर के नागरिक एवं उनके मित्र पहुंचे थे। उसमें परिवार की व्यस्तता को देखते हुए पुलिस ने बयान दर्ज करने की कार्रवाई को स्थगित कर दिया और वापस लौट गई। इस मौके पर फिल्म अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने नादिर राशिद को याद करते हुए उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही नादिर के स्वजन को सांत्वना देते हुए ढांढस बंधाया। बता दें कि जहांनुमा पैलेस होटल के मालिक नादिर राशिद ने मंगलवार सुबह अपनी लाइसेंसी राइफल से घर के बाथरूम में गोली मारकर खुदकुशी कर ली थी।

कचरे का ढेर देख भड़के निगमायुक्त, सफाई दरोगा को भेजा नोटिस

शहर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने के लिए नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण द्वारा औचक निरीक्षण किया जा रहा है। इसी सिलसिले में वह शनिवार को भी विभिन्न वार्डों में राजस्व वसूली कार्य के साथ ही सफाई व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान वार्ड क्रमांक 31 कार्यालय से वार्ड प्रभारी और वार्ड क्रमांक 48 में गंदगी का ढेर मिलने पर वह नाराज हो गए और कर्मचारियों को फटकार लगाई। निगमायुक्त के निर्देश पर इलाके के सफाई दरोगा एवं वार्ड प्रभारी को कारण बताओ नोटिस देने की कार्रवाई की गई। उन्होंने गंदगी फैलाने वालों पर भी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

घर से कर रहे थे डीजल का अवैध कारोबार, एक हजार लीटर से ज्यादा माल जब्त

ऐशबाग थाना पुलिस ने रहवासी क्षेत्र में चल रहे डीजल के अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से 1040 लीटर डीजल बरामद कर एक ही परिवार के तीन लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। आरोपितों में दो सगे भाई और एक नाबालिग शामिल है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। ऐशबाग थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि महामाई के बाग में एक परिवार के लोग घर से अवैध डीजल बेचने का काम करते हैं। वर्तमान में परिवार को एक नाबालिग डीजल बेचने के लिए इंद्रानगर पहुंचा है। इस पर पुलिस मुखबिर द्वारा बताई जगह पर पहुंची और स्कूटी पर प्लास्टिक की केन रखकर खड़े किशोर से कुप्पी में भरे डीजल के बारे में पूछताछ की। इस पर वह घबरा गया। उसने बताया कि उसके पिता और चाचा घर से डीजल बेचने का काम करते हैं।

कांग्रेस के कई नेताओं को सता रही भविष्य की चिंता, थाम रहे भाजपा का हाथ

कांग्रेस के नेताओं का भाजपा में जाना केवल चुनावी दांव नहीं है बल्कि इसके पीछे बड़ी वजह भविष्य की चिंता है। वर्षों पुरानी कांग्रेस में जिस तरह से वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी की जा रही है, उससे नाराज होकर अब वे भाजपा का हाथ थाम रहे हैं। छिंदवाड़ा में कमल नाथ के सात रत्नों में से एक अमरवाड़ा से कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के भाजपा में आने के बाद उनके मजबूत गढ़ छिंदवाड़ा की दीवारें भी दरखती दिख रही हैं। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि पिछले दिनों कमल नाथ और नकुल नाथ के भाजपा में आने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, उन्होंने इसका खंडन किया लेकिन इससे विचलित होकर छिंदवाड़ा के हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए।

रंगपंचमी पर रंगों से सराबोर हुई राजधानी, गिले-शिकवे भुलाकर हुए एक

चल समारोह में शामिल हुए दिग्विजय सिंह, जय सियाराम से दी शुभकामनाएं

सिटी चीफ भोपाल। राजधानी भोपाल में शनिवार को रंगपंचमी पर चल समारोह निकाला गया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने नगरवासियों को रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं। पांच दिवसीय होली उत्सव के आखिरी दिन रंगपंचमी को भोपाल से लेकर इंदौर तक उत्साह, उल्लास और उमंग के साथ मनाया जा गया। लोग रंगपंचमी के रंग में नजर आए। एक दूसरे को खूब रंग और गुलाल लगाते दिखे। लोगों ने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भोपाल में आयोजित चल समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने नगर वासियों के साथ गुलाल खेला। कुछ लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए तो पूर्व सीएम ने उनको टोकते हुए हुए कहा कि माता सीता को मत भूलो और जय सियाराम का नारा लगाया। दिग्विजय सिंह ने प्रदेश की जनता को रंगपंचमी की शुभकामनाएं दीं। शहर में कई इलाकों और कॉलोनियों में रंगपंचमी के त्यौहार पर रंग गुलाल खेला गया। श्री हिंदू उत्सव समिति ने पुराने भोपाल में

रंगपंचमी पर चल समारोह निकाला। सुबह 10 बजे से चल समारोह की शुरूआत हुई। इसमें हुरियारे अलग-अलग वेश भूषा में पहुंचे। चल समारोह में शिव पार्वती, राधा कृष्ण की झांकी निकाली गई।

साथ ही डीजे, ऊंट, घोड़े के साथ ही गुलाल उड़ाने वाली मशीन भी आकर्षक रही। यहां पर आधा दर्जन टैंकरों से गुलाल बरसाया गया। समिति के चल समारोह के संयोजक देवेंद्र सिंह ने बताया कि चल समारोह लोहा बाजार, जनकपुरी, सिंधी मार्केट, भवानी चौक, लखेरापुरा, पीपल चौक, चिंता मन चौराहा, इतवारा चौहरा से मंगलवारा होते हुए घोड़ा नक्कास से हनुमान जी की मढ़िया पर समाप्त हुआ।

चार पहिया वाहन चालकों को चुकाना होगा साढ़े सात फीसदी तक अधिक टोल टैक्स, 6 स्टेट हाईवे रूट भी शामिल

कल से प्रदेश के चार नेशनल हाईवे पर महंगा होगा सफर

सिटी चीफ भोपाल। प्रदेश के 10 नेशनल हाईवे और स्टेट हाइवे पर एक अप्रैल से निजी वाहन में सफर करने पर महंगाई का झटका लगेगा। इन मार्गों में 4 नेशनल हाईवे और 6 स्टेट हाइवे के रूट हैं जहां चार पहिया वाहनों में एक से लेकर साढ़े सात फीसदी तक अधिक टोल टैक्स चुकाना पड़ेगा।

मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) ने इन मार्गों पर टोल टैक्स राशि में वृद्धि को सहमति दे दी है। इसके बाद एक कार पर तीन से चार रुपए तक टोल टैक्स बढ़ जाएगा। हालांकि, इस बीच एमपीआरडीसी ने 92 मार्गों पर एक रुपए भी टोल टैक्स नहीं बढ़ाने का फैसला कर इन मार्गों से गुजरने वालों के लिए राहत भी दी है। लोक निर्माण विभाग के अधीन प्रदेश में 102 मार्ग ऐसे हैं जिन पर टोल टैक्स की वसूली की जाती है। इसमें से 92 मार्ग में कई बढ़ोतरी नहीं की गई है जबकि दस मार्गों पर टोल टैक्स बढ़ाया गया है। एमपीआरडीसी के एमडी अविनाश लवानिया बताते हैं कि 92 मार्ग पर टोल न बढ़ाकर लोगों को राहत देने का काम किया गया है और जहां टोल टैक्स बढ़ रहा है उन मार्गों पर निर्माण की शर्तों के चलते टैक्स बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स में वृद्धि वाले चार मार्ग नेशनल हाईवे के हैं। इसमें थोक मूल्य सूचकांक के अंतर्गत एक प्रतिशत से साढ़े तीन प्रतिशत की वृद्धि की गई है। वहीं छह अन्य मार्ग स्टेट हाइवे के हैं जिनके टोल टैक्स में सात प्रतिशत तक की वृद्धि की गई है।

सड़कें बनाने के दौरान ही रखी गई थी शर्त

नेशनल हाईवे में होल सेल प्राइस इंडेक्स (थोक मूल्य सूचकांक) के आधार पर टोल टैक्स के रेट बढ़ाए जाते हैं। दूसरी ओर स्टेट हाईवे के मार्ग जो एमपीआरडीसी की देखरेख में संचालित हैं, उनके निर्माण के दौरान समय समय पर टोल टैक्स रेट में वृद्धि का प्रस्ताव था। ये सड़कें जब बीओटी में बनाई गई थीं तभी यह शर्त तय की गई थी कि हर साल एक अप्रैल से टोल रेट में वृद्धि की जाएगी।

इस तरह चुकाना होगा टोल टैक्स

अगर आप भोपाल से देवास मार्ग पर एमपीआरडीसी की रोड से सफर करते हैं तो पहले बैरियर फंदा पर आपको कार, जीप के 35 रुपए चुकाने पड़ेंगे। अब तक यहां 33 रुपए लगते थे। इसके बाद अगले बैरियर पर अब तक 42 रुपए देने पड़ते थे और एक अप्रैल से 45 रुपए देने पड़ेंगे। इसी मार्ग में तीसरे सेक्शन पर 72 रुपए देने पड़ते थे और नए वित्त वर्ष से 77 रुपए लिए जाएंगे यानी पूरे सफर में दस रुपए का टोल टैक्स बढ़ जाएगा।

इन चार नेशनल हाईवे पर महंगा होगा सफर

ग्वालियर- भिंड एमपी-यूपी बार्डर

रीवा से एमपी-यूपी बार्डर

.मनगवां से एमपी-यूपी बार्डर

ब्यावरा एमपी-राजस्थान बार्डर

इन छह राज्य मार्गों पर भी बढ़ेगा सफर खर्च

मटकुली-तामिया-छिंदवाड़ा मार्ग

जावरा-नयागांव

चांदपुर-अलीराजपुर

मंदसौर-सीतामऊ

भोपाल-देवास

लेवड़-मानपुर

वीडी शर्मा के सामने मनोज यादव लड़ेंगे चुनाव

खजुराहो सीट से सपा ने घोषित किया उम्मीदवार

सिटी चीफ भोपाल। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश की खजुराहो सीट पर उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। सपा ने डॉ. मनोज यादव को इस सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। वह बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो से उम्मीदवार वीडी शर्मा के सामने चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि इस सीट पर कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन है, जिसे लेकर सपा को मध्य प्रदेश से एक ३सीट कांग्रेस ने दी थी।

बता दें कि डॉ. मनोज यादव समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता है और वो राजधानी भोपाल में रहते है। जबकि मूलतः उत्तरप्रदेश के रहने वाले हैं। 2014 लोकसभा का चुनाव विदिशा से समाजवादी पार्टी के टिकट पर लड़ा था। 2023 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बिजावर विधानसभा सीट पर प्रत्याशी घोषित किया था, लेकिन बाद में रेखा यादव को टिकट दिया। हालांकि बाद में रेखा यादव ने भी चुनाव नहीं लड़ा।

जबलपुर में 2 प्रत्याशियों ने मैदान छोड़ा, 9 अभ्यर्थियों के हुए निरस्त

छिंदवाड़ा में सबसे अधिक 8 उम्मीदवारों ने वापस लिए नामांकन

सिटी चीफ भोपाल। प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए 27 मार्च तक नामांकन प्रक्रिया चली। नाम वापसी का समय शनिवार तक था। इस बीच सबसे अधिक 8 नामांकन छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से वापस हुए हैं। जबलपुर से 2 प्रत्याशियों ने मैदान छोड़ा है। वहीं, 9 कैंडिडेट्स के नामांकन निरस्त किए गए हैं। उधर, दूसरे चरण के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया 28 मार्च से शुरू हुई। शनिवार को दूसरे दिन बैतूल से सांसद व बीजेपी कैंडिडेट दुगार्दास उइके, सतना से सांसद व बीजेपी प्रत्याशी गणेश सिंह, टीकमगढ़ से कांग्रेस के खुमान पंकज अहिरवार और दमोह से बीजेपी के राहुल सिंह ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं, होशंगाबाद सीट से निर्दलीय राकेश रामप्रसाद रिकी और पीपुल्स पार्टी आफ इंडिया डेमोक्रेटिक से अजीत कुमार जायसवाल ने पर्चा दाखिल किया है। इससे पहले दूसरे चरण की नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के पहले दिन शुक्रवार को होशंगाबाद सीट से नामांकन दर्शन सिंह चौधरी बीजेपी का भरा था। दूसरे चरण के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 4 अप्रैल है। इसके पहले 31 मार्च को रविवार, एक अप्रैल को बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी के चलते नामांकन नहीं भरे जा सकेंगे।

पहले चरण में इनके नामांकन हुए रिजेक्ट

पहले चरण के नामांकन पत्रों की जांच 28 मार्च को हुई थी। जिसमें 9 कैंडिडेट के नामांकन निरस्त किए गए। इनमें छिंदवाड़ा सीट से संजय पांडेय निर्दलीय, पवन शाह सरियाम अखिल भारतीय गोंडवाना पार्टी, बालाघाट लोकसभा सीट से मनोज सैय्याम राष्ट्रीय गोंडवाना पार्टी, दीपक कुमार चौधरी निर्दलीय, राजकुमार निर्दलीय और महादेव नागदेवे निर्दलीय उम्मीदवार के नामांकन शामिल थे। वहीं, सीधी सीट से छाया साकेत निर्दलीय और रामचंद्र कोल निर्दलीय के भी नामांकन रिजेक्ट हुए हैं। जबलपुर से कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में नामांकन भरने वाले पूर्व मंत्री लखन घनघोरिया का नामांकन भी निरस्त हुआ था, क्योंकि कांग्रेस ने यहां दिनेश यादव को टिकट दिया है।

मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक की बारिकियां सीखेंगे कर्मचारी

16 हजार मतदान कर्मचारियों को आज से प्रशिक्षण देंगे 80 मास्टर ट्रेनर

सिटी चीफ भोपाल। जिले में लोकसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए 16 हजार मतदान कर्मचारियों को कल यानि एक अप्रैल से 80 मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण शहर के सात केंद्रों पर छह अप्रैल तक सुबह 11 से शाम चार बजे तक चलेगा। जिसमें सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना आवश्यक है। जिला पंचायत सीईओ ऋषुराज सिंह ने बताया कि आठ केंद्रों पर वह ईवीएम, माक पोल, मतदान, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक की बारिकियां सीखेंगे। प्रशिक्षण में उन्होंने क्या सीखा? जिसके लिए उन्हें परीक्षा भी देना पड़ेगी। फेल होने वाले कर्मचारी को फिर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। बता दें कि इस बार मतदान केंद्रों की संख्या बढ़कर दो हजार 363 हो गई है।

लोकसभा चुनाव में कुल 2299 में मतदान केंद्र एवं 64 सहायक मतदान केंद्र हैं । इस तरह आठों विधानसभा क्षेत्रों में 2363 मतदान केंद्र रहेंगे। प्रत्येक केंद्र पर चार अधिकारी - कर्मचारी (पीओ, पी एक , पी दो, और पी तीन)की ड्यूटी लगेगी। इसके अलावा 10 प्रतिशत कर्मचारी रिजर्व रहेंगे। जिससे जरूरत पड़ने पर उनकी ड्यूटी लगाई जा सके।

सीहोर विधानसभा क्षेत्र का प्रशिक्षण वहीं पर होगा

भोपाल लोकसभा में आठ विधानसभा क्षेत्र बैरसिया, नरेला, गोविंदपुरा,हुजूर,भोपाल उत्तर, भोपाल मध्य, भोपाल दक्षिण-पश्चिम और सीहोर शामिल हैं। भोपाल जिले के सात विधानसभा क्षेत्र के कर्मचारियों को यहीं पर प्रशिक्षण मिलेगा। जबकि सीहोर विधानसभा क्षेत्र के कर्मचारियों को सीहोर में ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यहां बनाए गए हैं प्रशिक्षण केंद्र

सीईओ ने बताया कि प्रथम प्रशिक्षण में मतदान दल के सभी सदस्य पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी क्रमांक एक,दो, तीन को प्रशिक्षित किया जाएगा। यह प्रशिक्षण मौलाना आजाद प्रौद्योगिकी संस्थान, माडल हायर सेकेंडरी स्कूल, बीएसएस कालेज, रविंद्र भवन पुराना सभाग्रह, संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गोविंदपुरा , सभागार राज्य पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान एवं समन्वय भवन (अपेक्स बैंक) टीटीनगर आदि केंद्रों में आयोजित किए जाएंगे।

20 जून के बाद से नई कक्षा की पढ़ाई शुरू होगी, 15 अप्रैल तक बच्चों को बांटी जाएंगी अभ्यास पुस्तिका

एक अप्रैल से खुलेंगे सरकारी स्कूल, बच्चों से कराई जाएंगी विभिन्न गतिविधियां

सिटी चीफ भोपाल। प्रदेश के सरकारी स्कूलों का शैक्षणिक सत्र एक अप्रैल से शुरू हो रहा है। एक माह तक पहली से आठवीं कक्षा के बच्चों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी । इसमें मिट्टी के खिलौने तैयार करना, खेल गीत और स्थानीय खेलों के माध्यम से पढ़ाई कराई जाएगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने सत्र 2024-25 के लिए अप्रैल माह का अकादमिक कैलेंडर जारी किया है। इसमें 15 अप्रैल तक दूसरी, तीसरी, चौथी व पांचवीं कक्षा के बच्चों को अभ्यास पुस्तिका का वितरण किया जाएगा, ताकि ग्रीष्मावकाश में इस पुस्तिका पर कार्य कर सकें। अप्रैल के पहले 20 दिन लर्न आफ फन के तहत विद्यार्थियों को बुनियादी शिक्षा दी जाएगी। इसके बाद 20 जून के बाद से नई कक्षा की पढ़ाई शुरू होगी।

ये गतिविधियां कराई जाएंगी

इस दौरान पहली से आठवीं के बच्चों के बीच विभिन्न गतिविधियां कराई जाएंगी। इसमें मिट्टी का मूर्ति बनाना, पोशम पास,खेल गीत, मिट्टी के खिलौने बनाने सहित अन्य गतिविधियां कराई जाएंगी। शिक्षक स्थानीय खेल जो बच्चों द्वारा खेले जाते हों उनको संकलित करते हुए खेल खिलाएं। जैसे स्टेच्यू, टापू, घोड़ा बादाम शाही, चिड़िया फुर्र आदि। वहीं पुश-पक्षियों की आकृति बनाना, रसोई के बर्तनों एवं चूल्हा आदि की आकृति बनाना आदि, पतंग, फूल की आकृति, पशु-पिक्षयों की आकृति, सजावटी आकृतियां आदि, नाव, हवाई जहाज, पशु-पिक्षयों की आकृति, गेंद च चकरी आदि को कागज से बनाना सीखाया जाएगा।

उत्तरपुस्तिकाओं का विश्लेषण कर पुर्नभ्यास करवाया जाए

चौथी से आठवीं में प्रोन्नत विद्यार्थियों की पूर्व कक्षा के प्रश्नपत्रों को हल कराते हुए आदर्श उत्तर लिखने का अभ्यास कराया जाए। विगत कक्षा की उपलब्ध स्थानीय वार्षिक परीक्षाओं की मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का विश्लेषण कर विद्यार्थियों की छूटी हुई दक्षताओं के पुर्नभ्यास करवाया जाए।

संपादकीय

आखिर कैसे आर्यवर्त का नाम पड़ा भारत

महर्षि विश्वामित्र दिव्य शक्तियां अर्जित करने के उद्देश्य से कठोर तपस्या कर रहे थे। उनके तप का प्रभाव धीरे-धीर देवलोक तक जा पहुंचा। देवराज इंद्र का सिंहासन डगमगाने लगा। यद्यपि विश्वामित्र के तप करने का उद्देश्य कुछ और था, तथापि इंद्र को यही लगा कि विश्वामित्र देवलोक का शासन प्राप्त करना चाहते हैं। अत: उनकी तपस्या को भंग करना अनिवार्य हो गया। इंद्र ने मेनका नाम की एक अत्यंत सुंदर अप्सरा को चुना और उसे विश्वामित्र की तपस्या भंग करने भेजा। मेनका तपस्थली पर पहुंची। उस समय विश्वामित्र नदी में स्नान कर रहे थे। ऋषि जैसे ही नदी से बाहर निकले, उनकी दृष्टि कामुक एवं मनमोहक मेनका पर पड़ी। उसे देखते ही विश्वामित्र जैसे सम्मोहित हो गए। उन्होंने मेनका की ओर न देखने का बहुत प्रयास किया, परंतु विश्वामित्र का ऋषि-मन मेनका के सौंदर्य-पाश में उलझता चला गया। मेनका की मादक सुगंध ने ऋषि की बुद्धि को अस्थिर कर दिया था। कठोर तपश्चर्या से उत्पन्न उनके तेजस्वी आभा-मंडल की चमक भी मेनका के आकर्षण के सामने फीकी पड़ गई। सहसा मेनका आगे बढ़ी और उसने विश्वामित्र का हाथ पकड़ लिया। तपस्या भंग हो चुकी थी। परंतु कथा यहां पूर्ण नहीं हुई! मेनका के आकर्षण में उलझने से विश्वामित्र की हानि हुई, तो मेनका ने भी इसका मूल्य चुकाया। मेनका को विश्वामित्र से सचमुच ही प्रेम हो गया। विश्वामित्र ने मेनका के सामने विवाह का प्रस्ताव तक रख दिया। विश्वामित्र की तपस्या भंग करने के बाद मेनका को देवलोक लौट जाना चाहिए था, परंतु उसे डर था कि विश्वामित्र क्रोधित हो गए, तो उसे शाप दे देंगे। इसलिए उसने विश्वामित्र से विवाह के लिए हामी भर दी। ऋषि के कोप से बचने और उन्हें पुन: तपस्या से रोकने का यही एक मार्ग था। विश्वामित्र और मेनका ने विवाह कर लिया। अब ऋषि विश्वामित्र संन्यासी से गृहस्थ बन गए और मेनका अप्सरा से गृहिणी। कुछ समय बाद मेनका गर्भवती हुई और उसने एक अत्यंत सुंदर कन्या को जन्म दिया। विश्वामित्र ने कन्या का नाम शकुंतला रखा। इस बीच मेनका भूल ही गई कि वह एक अप्सरा है। परंतु देवराज इंद्र को यह बात याद थी। एक दिन इंद्र अवसर देखकर मेनका के पास आए और बोले, मेनका! मैंने तुम्हें जिस काम के लिए भेजा था, वह कब का पूरा हो गया ! अब तुम्हें तुरंत स्वर्ग लौट आना चाहिए। अप्सरा मेनका अब गृहिणी बन चुकी थी। वह बोली, देवराज, मेरा अपना परिवार है। मैं यदि पति और पुत्री को छोड़कर देवलोक लौट गई, तो उन दोनों का क्या होगा? यह सुनकर इंद्र को क्रोध आ गया। वह गरजे, अनर्गल बातें मत करो, मेनका ! तुम भूल कैसे गई कि तुम अप्सरा हो और अप्सराओं के परिवार नहीं होते। तुम्हारा कार्य केवल देवताओं का मनोरंजन करना है! यदि तुम देवलोक नहीं लौटीं, तो मैं तुम्हें शाप देकर शिला में बदल दूंगा। किसी भी स्थिति में तुम परिवार नहीं बसा सकती। मेनका अपने परिवार को नहीं छोड़ना चाहती थी, लेकिन इंद्र ने उसके लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ा था। वह जानती थी कि उसके जाने से विश्वामित्र और शकुंतला, दोनों दुखी होंगे। उसने विश्वामित्र को सारी बात कह दी। विश्वामित्र को दुख तो बहुत हुआ, किंतु उन्होंने मेनका को जाने से नहीं रोका। आखिरकार, मेनका को देवलोक लौटना ही पड़ा। मेनका के जाने के बाद विश्वामित्र ने फिर से तपस्या का संकल्प ले लिया। वह अपनी पुत्री शकुंतला को ऋषि कण्व के संरक्षण में छोड़कर तपस्या करने चले गए। कालांतर में, शकुंतला का सम्राट दुष्यंत से विवाह हुआ और उन्होंने एक यशस्वी बालक को जन्म दिया, जो बड़ा होकर राजा भरत के नाम से विख्यात हुआ। उसी के नाम से हमारे देश का नाम भारत पड़ा।

सियासी रण में भाजपा ने झोंकी पूरी ताकत

संविधान पर अंतिम हमले की पूरी तैयारी

चेतावनी के संकेत बिल्कुल साफ थे। विपक्षी दल भी यह भांप रहे थे कि क्या होने वाला है, लेकिन लगता है कि धोखेबाज सलाहकारों ने अपने नेताओं को रोक रखा है। तमिलनाडु को छोड़कर कहीं भी युद्ध के लिए तैयार सैनिकों को युद्ध के मैदान पर नहीं भेजा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में इंडिया गठबंधन जम नहीं पाया, बिहार में नीतीश कुमार की पेटेंट पाला बदलने की कलाबाजी ने इंडिया गठबंधन की तैयारियों को मैदान से उतारने की कोशिश जरूर की थी, लेकिन वे नाकामयाब रहे। महाराष्ट्र में सहयोगी दल सीटों के बंटवारे पर बहस कर रहे हैं। दूसरी ओर, भाजपा विपक्षी खेमें में नेताओं की खरीद-फरोख्त में व्यस्त है। उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस एकजुट जरूर हैं, लेकिन अब तक युद्ध के मैदान में उतरे नहीं हैं। वहीं, दिल्ली और झारखंड में सेनाएं तैयार हैं, लेकिन, जनरल सलाखों के पीछे कैद हैं। तमिलनाडु एकमात्र राज्य है, जहां इंडिया गठबंधन और विरोधी दलों के बीच युद्ध शुरू हो चुका है, जो उस कहावत की याद दिला रहा है कि, %अच्छी शुरुआत का मतलब है कि आधी लड़ाई जीत लेना।% यह तो हुई 29 में से सात राज्यों की बात। बाकी बचे कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है। दूसरी ओर, ओडिशा और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य किसी पहले से लिखे जा चुके नाटक के मंच की तरह दिख रहे हैं, वास्तविक युद्ध के मैदान की तरह नहीं। **शस्त्रागार** भाजपा ने अपना पूरा शस्त्रागार खोल दिया है। असंवैधानिक चुनावी बॉन्ड के जरिये एकत्रित किया गया अकूत पैसा पहले ही

उसके पास है। इन इलेक्ट्रॉनिक बॉन्ड की सच्चाई, जिसे मैंने वैध रिश्वतखोरी का नाम दिया था, अब सबके सामने आ चुकी है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां तलाशी/ गिरफ्तारी हुई, बॉन्ड खरीदे और दान किए गए, बॉन्ड भुनाए गए और या तो मामलों को रफा-दफा कर दिया गया या फिर लाइसेंस या कॉन्ट्रैक्ट के रूप में अनुचित फायदा पहुंचाया गया। तारीखें कहानी बयां करती हैं। बिंदुओं को जोड़ने पर पूरी रेखा साफ दिखने लगती है। अखबारों, टेलीविजन और बिल बोर्डों पर विज्ञापनों के जरिये युद्ध के लिए संसाधनों का विकास किया गया। भाजपा एक असमान मैदान पर खेल रही है। अब ऑपरेशन कमल की बारी है, जो भाजपा की खास कवायद है। दल-बदल को प्रोत्साहित करना और दलबदलुओं को टिकट देना इसके आधार हैं। मुझे बताया गया कि भाजपा चार सौ से ज्यादा उम्मीदवारों को नामांकित करेगी, जिसमें से पचास के करीब दलबदलू होंगे।

राज्य सरकारों को अस्थिर करने का खेल- गिरफ्तारी और नजरबंदी एक खतरनाक हथियार बन गया है। निशाने पर दो मुख्यमंत्री, एक उपमुख्यमंत्री, कई राज्य मंत्री, मुख्यमंत्री का परिवार और विपक्षी राजनीतिक दलों के बहुत से नेता हैं। वर्तमानमें संसद के दोनों सदनों में भाजपा के 383 सांसद, 1481 विधायक और 163 विधाने परिषद के सदस्य हैं। इनमें पूर्व गैर-भाजपाई नेता भी शामिल हैं, जो विशाल लॉन्ड्री मशीन में धुल कर बेदाग हो चुके हैं। मुझे नहीं पता कि इन 2027 व्यक्तियों में किसी के भी खिलाफ कोई जांच चल रही है या नहीं और यदि चल रही है, तो वह निश्चित ही अपवाद होने के साथ ही अच्छी तरह से संरक्षित रहस्य भी होगा। राज्य सरकारों के कामकाज को बाधित करने के लिए राज्यपालों का इस्तेमाल किया जा रहा है। तमिलनाडु के राज्यपाल ने राज्य सरकार द्वारा तैयार भाषण को विधानसभा में पढ़ने से इन्कार कर दिया। एक दूसरे अवसर पर वह विधानसभा की कार्यवाही से बहिर्गमन कर गए। राज्य सरकार की सलाह के बावजूद उन्होंने एक व्यक्ति को मंत्री पद की शपथ दिलाने से इन्कार कर दिया। केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के राज्यपालों की मुख्यमंत्रियों के साथ नोंक-झोंक होती रहती है। तेलंगाना की राज्यपाल (पुदुचेरी की सह- उपराज्यपाल) व्यवहारिक रूप से महीनों तक तमिलनाडु में रहीं और ठीक उस दिन जब लोकसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा हुई, बगैर समय गंवाएं अपने पद से इस्तीफा देते हुए भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का इरादा दिखाया। राज्यपाल विधेयकों पर सहमति देने से इन्कार कर रहे हैं या अनिश्चित काल के लिए रोक रहे हैं। हालांकि भाजपा शासित राज्यों में ऐसे असांविधानिक कृत्य नहीं होते। **संविधान से धोखा** अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों के आदेशों का पालन न करने के आदेश दिए जाने से दिल्ली की सरकार को पंगु बना दिया गया। केरल और पश्चिम बंगाल जैसी राज्य सरकारों को किसी न किसी बहाने से धनराशि रोक दी गई है। किसी न किसी शर्त का उल्लंघन का हवाला देते हुए गैर-भाजपा शासित राज्यों की उधार लेने की सीमा में कटौती की गई है। अस्पष्ट आधारों पर तमिलनाडु को आपदा राहत सहायता देने से इन्कार कर दिया गया है। केंद्र सरकार का कहना है कि राज्य के पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति में संघ लोक सेवा आयोग की भूमिका होनी चाहिए। राज्य द्वारा वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति के राज्य सरकार के अधिकारों पर अंकुश लगाया गया है। नतीजा यह है कि केंद्र सरकार के प्रति निष्ठा रखने वाले सत्ता केंद्र राज्यों में उभरे हैं और राज्य सरकारों के अधिकारों को चुनौती दे रहे हैं। राज्यों की स्वायत्तता का लगातार क्षरण हो रहा है। दरअसल आरएसएस-भाजपा एक एजेंडे से प्रेरित हैं। आरएसएस के नेताओं का मानना है कि उन्होंने एक लंबे समय तक इंतजार किया है और लोकसभा चुनाव में जीत उनके एजेंडे को पूरा करने के लिए लॉन्च पैड होनी चाहिए। एजेंडे में शामिल हैं- एक राष्ट्र एक चुनाव, समान नागरिक संहिता (यूसीसी), नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), भूमि अधिग्रहण अधिनियम में संशोधन, कृषि कानून और पूजा स्थल अधिनियम को निरस्त करना। भाजपा के चुनावी घोषणा पत्र में कुछ और खुलासे भी हो सकते हैं। लेकिन तय है कि यह अंतिम हमला होगा।

इतना भी मुश्किल नहीं है सौ के पार जीना, इतालवी शोध ने बताया ऐसा आहार है जरूरी

व्हिस्की ए गो गो, रॉक्सी और कई कोस्ट क्लबों में वाल्टर लोंगो बतौर गिटारवादक काम करते थे। उस क्लब का जिंदगी को लेकर एक ही मंत्र था कि मस्ती से जिओ। प्रतिभाशाली वाल्टर ने जल्द ही बैंड को अलविदा कह दिया और उसके बाद उन्होंने पीएचडी की पढ़ाई की। फिलहाल वह जेरोंटोलॉजी के प्रोफेसर और लॉन्गविटी इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर हैं और उम्र को लंबा करने पर तमाम शोध कर चुके हैं। दरअसल, दुनिया भर के वैज्ञानिकों और पोषण विशेषज्ञों के लिए इटली के लोगों का लंबा जीवन एक रहस्य बना हुआ है। हालांकि आज के इटली में तमाम लोग ऐसे मिल जाएंगे, जो स्थानीय भोजन से दूर जा चुके हैं। देश के दक्षिण में मोटापे से ग्रस्त इतालवी बच्चे अपने भोजन में वह पसंद करते हैं, जिसे लोंगो पांच %पी% यानी पिज्जा, पास्ता, प्रोटीन, पोटैटो (आलू) और पैन (ब्रेड) कहते हैं। डॉ. लोंगो अपने शोधों के आधार पर कहते हैं कि अगर आप सौ वर्ष तक जीवित रहना चाहते हैं, तो आपको हल्का भोजन करना होगा और इसलिए वह फलियों और मछलियों वाले हल्के स्थानीय इतालवी भोजन का समर्थन करते हैं। वह मानते हैं कि इंसान को वही खाना चाहिए, जो उसकी कोशिकाओं पर ज्यादा भार न डाले। वह लंबे व बेहतर जीवन के लिए फॉक्स फास्टिंग को एक बेशकीमती तरीका मानते हैं। फॉक्स फास्टिंग वह विधि है, जो दरअसल आपको यह विश्वास दिलाती है कि, आप उपवास कर रहे हैं, लेकिन इस दौरान आप कुछ हल्के आहार का सेवन भी करते हैं। फॉक्स फास्टिंग के दौरान क्या खाना चाहिए, इसके लिए लोंगो मेवा आधारित आहार का समर्थन करते हैं, जो कोशिकाओं को हानिकारक घटकों से छुटकारा पाने और लंबी उम्र तक जीवित रहने के लिए सक्षम बनाती है। नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित उनके अध्ययन से पता चलता है कि जिन व्यक्तियों ने समय-समय पर फॉक्स फास्टिंग को अपनाया है, उनमें में इंसुलिन प्रतिरोध, प्री-डायबिटीज मार्कर और इम्यून सिस्टम में काफी हद तक सुधार हुआ है, जो एक स्वस्थ व लंबी उम्र तक जीने के लिए अच्छा संकेत माना जाता है। इटली के स्थानीय आहार के मुरीद लोंगो कहते हैं-वर्तमान चिकित्सा सुविधाएं आपको लगभग 80 या उससे कुछ अधिक बर्ष तक जीवित रख सकती हैं, लेकिन हल्का इतालवी खाना, और फॉक्स फास्टिंग को अपनाकर आप 100 या शायद 110 से अधिक वर्ष तक भी जीवित रह सकते हैं।

टाइम मशीन: जिनका वचन ही है शासन, अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन हर पखवाड़े

अगर आपसे कोई पूछे कि दुनिया की सबसे बड़ी कार कंपनी यानी सबसे ज्यादा कार बेचने वाला ब्रांड कौन-सा है. तो आपको बताने में दिक्कत नहीं होगी कि वह जापान की टोयोटा है। मगर आपसे कोई यह पूछे कि दिग्गज कंपनियों के संसार में सबसे ज्यादा बदनाम और दागी कंपनी कौन-सी है, तो जवाब. जरा मुश्किल हो जाएगा। मगर इसका भी जवाब होगा टोयोटा। यह कंपनी अपनी कारों के लिए जितनी विख्यात है, कॉरपोरेट स्कैंडल के लिए उतनी ही कुख्यात भी। जापान की भीमकाय कंपनियां या कॉरपोरेशन अपने अपारदर्शी और मनमाने प्रबंधन के लिए कुख्यात हैं।

क्या आपको तोशिबा याद है? कुछ दशकों पहले हमारे-आपके घरों में इस्तेमाल होने वाला भी इलेक्ट्रॉनिक सामान तोशिणा के पूजों के बिना नहीं बनता था। जापान की 148 साल पुरानी तोशिबा कंपनी बीते साल के अंत में जापान के शेयर बाजार से बाहर कर दी गई। किस्म-किस्म के घोटालों और निवेशकों के साथ धोखाधड़ी के बाद विवादों की भारी तोशिचा बिक गई और 74 साल बाद इसे शेयर बाजार से हटा (डीलिस्ट) दिया गया। वहीं सोनी, ओलंपस, लाइबडोर, क्यूशु रेलवे दागी कंपनियों की दास्तान भी बड़ी लोमहर्षक है। वर्ष 2022 के सितंबर में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज की बैठक में यही समझाते नजर आए कि जापान के कुख्यात कॉरपोरेट अब सुधर रहे हैं। बोर्ड पारदर्शी बनाए गए हैं। कंपनियों की साख और कमाई बेहतर हुई है। प्रधानमंत्री पुमियों ने यह नहीं बताया कि जापान के जिट्टी कॉरपोरेट केवल सरकार के सुधारों से नहीं सुधरे। बीते चार साल में जापान में कुछ ऐसा हुआ नो कभी नहीं हुआ था। जापानी कंपनियां पारदर्शिता का नर्क हैं। कंपनी के मालिक का बचन ही शासन है। शेयरधारकों की तरफ

से आवाज उठाने की परंपरा नहीं है। मगर निवेशकों ने जब बगावत की तो जापानी कंपनियों को घुटने टेकने पड़े। तो संभालिए अपनी सीट टाइम मशीन में और यह लीजिए हम उड़ रहे हैं. हमारे नीचे दिख रहा है आपान का सबसे लंबा एक्सप्रेस-वे मेइशिन। यह नगोया को कोचे से जोड़ता है। यह जापान के इतिहास की सड़क है। यह एक्सप्रेस-वे हमें सेइकीगारा इलाके में ले आया है। अब चलते हैं, पीछे 16वीं सदी की तरफ। यहां से आगे बढ़ते हुए हमें दिखेगा कि जापान के सबसे ताकतवर समुराई तोयोतोमी हिदेयोशी का युग बीतने के साथ जापान बिखरने लगा है। जापान के अलग-अलग हिस्सों में डामियो यानी सामंत देश पर कब्जे की जंग में उत्तर आए हैं। हम इस वक्त सेइकोगारा के इलाके में हैं, जहां घाटियों और पर्वतीय इलाकों में आमने-सामने डटी हैं पूर्व और पश्चिम की सेनाएं। पश्चिम की सामंती सेना की कमान है इशिदा मित्सुनारी के हाथों में और पूर्व की सेना तोकूगावा लेयासू के नेतृत्व में आर-पार करने वाली है। और लीजिए शुरू हो गई जापान के इतिहास की यह सबसे भयावह खूनी जंग। तोकूगात्रा लेथासू ने मित्सुनारी को हरा कर जापान में सेंगोकू युग का समापन कर दिया। अब आप टाइम मशीन में आराम से बैठ सकते हैं, क्योंकि तोकूगावा वंश ने जापान का एकीकरण कर लिया है। हम जापान के ईदो युग में हैं, जिसे आर्थिक विकास और संस्कृति की दृष्टि से सबसे मूल्यवान माना जाता है। तोकूगावा बंश के शांतिपूर्ण शासन को देखते हुए आपको नजर आएंगे नए शहर, जो इंदी युग के जापान की पहचान हैं। अब मिलते हैं जाइबात्सु से। आइबात्सु जापान के औद्योगिक इतिहास की अनोखी रचना है। ईदी युग में परिवार नियंत्रित विशाल कारोबारी समूह बने थे, जो कई उद्योगों में फैले हैं। इन्हें जाइबात्सु कहा जाता है। याद कीजिए, हम जब 21वीं सदी में टक्षम मशीन में बैठे थे, तब हम तोशिबा, सोनी, ओलंपस के घोटालों की बात कर रहे थे। उनकी जड़ में यही जाइबात्सु हैं। अब हम 17वीं सदी के अंत में इंदो शहर को देख रहे हैं.. जो बाद की सदियों का टोक्यो है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि आप ईटी युग के ईटी शहर में ही और चिल्लई परिवार के बारे में पता न चलें। यह परिवार पेशे से दजी था। व्यापार बढ़ा, तो मित्सुई परिवार ने वित्तीय लेन-देन, खनन और फैक्टरी निर्माण में निवेश करना शुरू कर दिया। इस परिवार को सघाट तोकुमावा शोगुनात्से का संरक्षण प्राप्त था। 19वीं सदी की तरफ बढ़ते हुए हमें दिखेगा कि मित्सुई समूह, जापान का सबसे बड़ा और पुराना जाइबासु बन गया है, जो पूरी दुनिया में जड़े जमा चुका है। मित्सुई ने ब्रिटेन के निवेशकों से कोयला खदाने खरीद कर खुद को खनन क्षेत्र के दिग्गज में बदल दिया। इस दौर में सुमितोमो की चर्चा भी सुनाई पड़ेगी, जो जापान का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक वंश या जाइबात्सु है। इसने तांबे के खनन से अपनी शुरुआत क की थी। बाद के दशकों में इसने रेलवे, इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचे, टेलीग्राफ और बैंकिंग के क्षेत्रों में अपना विस्तार किया। आपको याद होगा कि 1990 में दुनिया में तांबे की किल्लत से पहले भूमितीमो ने सस्ता तांबा खरीद कर खूब कमाई की थी। यासुदा और मित्सुबिशी के जाइबात्सु 19वीं सदी में बने और कुछ ही दशकों में विराट औद्योगिक धराने बन गए। टाइम मशीन की स्क्रीन पर आपको कुछ और जाइबात्सु की जानकारी मिलेगी। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक विशाल परिवार बई तरह के कारोबार संभालता है। इन धरानों ने बीसवीं सदी तक जापान के औद्योगिकीकरण का नेतृत्व किया था। अब हम दूसरे विश्वयुद्ध के खून-खश्वर के बीच आ गए हैं। नाइयात्सु लड़खड़ा गए हैं, क्योंकि युद्ध की तैयारियों के लिए जापान की सरकार ने इन पर नियंत्रण कर लिया है। फिर परमाणु बम के हमले ने जापान को तबाह कर दिया, मगर जाइबात्सु नहीं मिटे। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद जापान के पुनर्निर्माण को देखते हुए आप चौंक उठेंगे कि मित्सुई, सुमितोमो, मित्सुबिशी आदि नए अवतार में सामने आ गए हैं। अब इन पुराने समूहों ने खुद को कई कंपनियों में बांट लिया है, जो पूंजी बाजार से लेकर बैंकिंग तक हर जगह फैले हैं। अब जापान की बैंकिंग इनके ही हाथों में है। ईदो युग के जाइबात्सु बीसवीं सदी में किरेत्सु बन गए हैं। ये मेगा कॉरपोरेशन किरेत्सु सिस्टम पर चलते हैं, जहां कंपनियों की आपस में जटिल और परतदार हिस्सेदारी होती है। यह प्रणाली कॉरपोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता की दुश्मन है। इसलिए जापान की कंपनियों में कोई लोकतंत्र नहीं है। सता का केंद्रीकरण है। विदेशी निवेशकों को बहुत कुछ बताया नहीं जाता। सरकार से नजदीकी और बैंकों के संरक्षण में जापानी मेगा कॉरपोरेशन भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे रहते हैं। शेयर धारकों की तरफ से आवाज उठाने की परंपरा 21वीं सदी में आई। वर्ष 2005 में जापान की मेगा इंटरनेट कंपनी लाइवडोर में बड़ा एकाउंटिंग फ्रॉड खुला। 2015 में तोशिबा में फौड निकला, निवेशकों ने बगावत की और आठ साल में कंपनी बिक गई। इसके बाद 2020 में ओलंपस और क्यूशु रेलवे के प्रबंधन में बड़े बदलाव हुए। ताकतवर निदेशकों को कंपनियां छोड़नी पड़ीं। वर्ष 2021 में सोनी कॉरपोरेशन को निवेशकों के दबाव पर शेयरों का बायबैक करना पड़ा। टाइम मशीन अब टोक्यों में उतर रही है। जापान में डिफ्लेशन खत्म होने की मुनादी हो गई है। चीन को आर्थिक सुस्ती के बीच जापान की चमक लौट रही है. मगर दागी कंपनियां हैं कि मानती नहीं। आपकी सीट के सामने की स्क्रीन पर जो दृष्य है, वह इसी वर्ष की 30 जनवरी का है। सिर झुकाए खड़ी शख्सियत हैं टोयोटा के अकोओ टोयोडा, जो कंपनी के धतकरम और घोटालों के लिए क्षमा मांग रहे हैं।

मशहूर अभिनेता चांस पेरडोमो का 27 साल की उम्र में निधन, बाइक दुर्घटना में गई जान

मशहूर हॉलीवुड अभिनेता चांस पेरडोमो अब इस दुनिया में नहीं रहे। महज 27 साल की उम्र में एक्टर का निधन हो गया है। 30 मार्च को एक्टर की बाइक एक्सीडेंट में मौत हो गई। उनके निधन से इंडस्ट्री को बड़ा झटका लगा है। फैंस भी अपने पसंदीदा स्टार के अचानक चले जाने से गमगीन है। उन्होंने जेन वी मूमिनवैली और आफ्टर वी फेल जैसी फिल्मों और सीरीज में अपनी भूमिकाओं से लोगों का दिल जीता था।

प्रवक्ता ने की पुष्टि चांस के प्रवक्ता ने एक बयान जारी कर उनके निधन की पुष्टि की है। प्रवक्ता ने कहा, भारी मन से हम चांस पेरडोमो के बाइक दुर्घटना से असामयिक निधन की खबर साझा कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस घटना के पीछे कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं था। जो भी उन्हें जानता था उसे ये पता है कि कला के प्रति उनका जुनून और जीवन से उन्हें कितना प्यार था।

सदमे में परिवार और फैंस बयान में परिवार की गोपनीयता का सम्मान करने का भी अनुरोध किया गया है। फिलहाल, हादसा कहां और कब हुआ इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। एक्टर के निधन से फैंस सदमे में हैं। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और सोनी पिक्चर्स टेलीविजन ने उनके निधन पर शोक जताया है। सोशल मीडिया पर जारी किए गए बयान में लिखा है, चांस पेरडोमो के अचानक निधन से पूरे जेन वी परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और सोनी पिक्चर्स टेलीविजन चांस के परिवार और इस कठिन समय में उनसे प्यार करने वाले सभी लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना और समर्थन व्यक्त करते हैं।

जेनिफर मिस्त्री ने असित मोदी के खिलाफ धरने पर बैठने की दी धमकी, आरोपपत्र दाखिल नहीं होने पर लिया फैसला

तारक मेहता छोड़ने के बाद से ही जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल और शो के निर्माता असित मोदी के बीच कानूनी लड़ाई जारी थी, जिसके बाद अभिनेत्री के हक में फैसला आया। अब जेनिफर मिस्त्री ने असित कुमार मोदी के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला जीतने के कुछ दिनों बाद बीते शनिवार को मुंबई के पवई पुलिस स्टेशन का दौरा किया। अब जेनिफर ने असित मोदी पर एक और आरोप लगा दिया है। दरअसल, जेनिफर ने एक वीडियो बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने बताया कि उनपर पिछले साल असित मोदी के खिलाफ दायर की गई एफआईआर को बदलने पर जोर दिया गया था।शो में मिसेज रोशन की भूमिका निभाने वाली जेनिफर ने हाल ही में निर्माता असित कुमार मोदी के खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न का मामला जीता है। हालांकि, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया और दावा किया कि निर्माताओं ने उनके केस जीतने से मना कर दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पुलिस को लगभग एक साल पहले असित मोदी के खिलाफ दर्ज की गई शिकायत के आधार पर आरोप पत्र दायर करने का अल्टीमेटम दिया है। जेनिफर ने कानूनी लड़ाई में उनकी जीत को खारिज करने के लिए सिटकॉम के निर्माताओं की आलोचना की है।वीडियो में उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि नीला फिल्म्स की प्रोडक्शन टीम का मानना है कि जेनिफर ने मोदी के खिलाफ कोई केस नहीं जीता है। वे बोल रहे मैं कोई फालतू से महिला समूह के पास गई थीं और वहां पर ऐसा बोल दिया गया तो मेरा ये कहना है कि महिला समूह के पास आपके निर्माता इतने महत्वपूर्ण, इतने बड़े निर्माता, दो बार सुनने के लिए चले गए सब काम छोड़ कर? कमाल हैं। जेनिफर ने आगे बताया कि वह हाल ही में पवई पुलिस स्टेशन में सीनियर इंस्पेक्टर जीतेंद्र और हीरानंदानी पुलिस स्टेशन में एक एसीपी से मिलीं और उन्हें अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि मैंने उनको अल्टीमेटम दिया है कि अगर आपने जल्दी नहीं किया यह चार्जशीट का काम है तो मुझे भी नहीं पता मैं क्या करूंगी। हो सकता है यहां पर जब द्रौपदी मुर्मू जी आ रही हैं, मैं धरना लेकर बैठ जाऊं।

ब्रेस्ट सर्जरी के बाद हुई थी 30 साल की ब्रिटिश मॉडल की मौत, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

स्पेन में एक 30 वर्षीय ब्रिटिश मॉडल और ब्यूटीशियन डोना बटरफील्ड की मौत ब्रेस्ट सर्जरी के बाद हुई थी। हाल ही में एक मीडिया रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। यह घटना सितंबर 2023 की है। मॉडल ने बीते साल पाल्मा, मालोर्का में एक निजी क्लिनिक में दो कॉस्मेटिक ऑपरेशन करवाए थे। इससे कई साल पहले भी स्तन बड़ा करने के लिए ऑपरेशन कराया था, लेकिन असंतुलन ठीक कराने के लिए उन्होंने दोबारा सर्जरी का फैसला किया। इसका खर्च 11,650 डॉलर (9,71,416 रुपये) आया।

कॉर्डियक अरेस्ट से हुई मौत

मॉडल को पहले से ही दिल की बीमारी थी और एनेस्थेटिक की प्रतिक्रिया के बाद उन्हें दिल का दौरा पड़ा और कार्डियक अरेस्ट हो गया। उन्हें पाल्मा के सोन एस्पासेस यूनिवर्सिटी अस्पताल में गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था, लेकिन 14 सितंबर को उनकी मृत्यु हो गई। उनके परिवार ने कहा कि पिछले सभी परामर्श ईमेल द्वारा आयोजित किए गए थे। परिवार ने दावा किया कि क्लिनिक ने पहले से बहुत कम सावधानी बरती थी। मॉडल के परिवार द्वारा कॉस्मेटिक सर्जनों पर लापरवाही का आरोप लगाने के बाद पुलिस जांच शुरू की थी।

जांच में मिली कई अनियमितताएं

इस मामले में क्लिनिक के मैनेजर और एनेस्थेटिस्ट को गिरफ्तार हो चुके हैं। 69 वर्षीय मैनेजर पर हत्या करने के साथ-साथ अयोग्य होने के बावजूद सर्जरी करने का आरोप लगाया गया है।पुलिस के अनुसार इस प्रक्रिया में कई अनियमितताएं पाई गई थीं। रोगी को जोखिमों के बारे में चेतावनी दिए बिना दूसरी कॉस्मेटिक प्रक्रिया शुरू की गई थी। वे जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित थीं, जिसका मतलब था कि उसके दिल का 25 प्रतिशत हिस्सा ठीक से काम नहीं करता था। इसके अलावा, हस्ताक्षरित रोगी सहमति प्रपत्र स्पेनिश में लिखे गए थे और मॉडल स्पेनिश पढ़ना नहीं जानती थी।

गॉडजिला कॉन्ग का तूफान बरकरार, क्रू ने दूसरे दिन भी की छप्परफाड़ कमाई

बॉक्स ऑफिस पर मार्च के महीने में बहुत सी फिल्मों ने दस्तक दी, लेकिन कुछ ही मूवीज दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब रहीं। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म गॉडजिला एक्स कॉन्ग भारत में ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। वहीं, क्रू ने भी टिकट खिड़की पर धमाकेदार आगाज किया है। इनके अलावा स्वातंत्र्य वीर सावरकर, मडगांव एक्सप्रेस और योद्धा भी सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही हैं। आइए जानते हैं कि कौन सी फिल्म ने शनिवार को कितना कलेक्शन किया। गॉडजिला एक्स कॉन्ग ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार शुरुआत की है। मॉन्स्टरवर्स की इस नई फिल्म का लोगों को बेसब्री से इंतजार था। यही वजह है कि फिल्म ने पहले दिन 14 करोड़ रुपये से ओपनिंग ली। वहीं, दूसरे दिन भी फिल्म की अच्छी पकड़ नजर आई। शनिवार को फिल्म ने 13.5 करोड़ का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म का कुल बिजनेस 27.5 करोड़ रुपये हो गया है। तब्बू, करीना कपूर और कृति सेनन की फिल्म क्रू की कहानी लोगों के दिल जीतने में कामयाब रही है। फिल्म ने पहले दिन सभी को चौंकाते हुए नौ करोड़ 25 लाख रुपये से ओपनिंग ली। वहीं, दूसरे दिन इस फिल्म ने उछाल दर्ज करते हुए नौ करोड़ 60 लाख रुपये बटोरे। इस कमाई के साथ फिल्म का कुल बिजनेस 18.85 करोड़ रुपये हो गया है। स्वातंत्र्य वीर सावरकर टिकट खिड़की पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। रणदीप हुड्डा की दमदार अदाकारी भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम साबित हुई है। फिल्म ने दूसरे शनिवार को एक करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही रणदीप की इस फिल्म की कुल कमाई 13.95 करोड़ रुपये हो गई है। मडगांव एक्सप्रेस का भी %स्वातंत्र्य वीर सावरकर% की तरह ही हाल है। यह फिल्म भी अच्छी कमाई नहीं कर सकी है। दमदार अभिनेताओं के होने के बाद भी फिल्म टिकट खिड़की पर अच्छा बिजनेस करने मे असफल रही है। नौवें दिन इस फिल्म ने एक करोड़ 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 15.65 करोड़ रुपये हो गई है।

खराब पटकथा के चलते पट हुआ कपिल का शो, घंटे पर होता रहा 'एनिमल' का प्रचार

शनिवार की रात इंसान पूरे हफ्ते के काम की थकान मिटाने के लिए कुछ खुशनुमा पल परिवार के साथ बिताना चाहता है। कपिल शर्मा का उनके कहे मुताबिक इस शनिवार से 192 देशों में प्रसारित होना शुरू हुआ शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो', कुछ कुछ वैसा ही निकला जैसा कि वो हैदर अली आतिश का शेर है, बहुत शोर सुनते थे पहलू में दिल का...! नेटफ्लिक्स के साथ ये पुरानी आदत है कोई एक बढ़िया सीरीज या फिल्म दिखाने के बाद ये अगली दो-तीन सीरीज और फिल्मों से दर्शकों (हर महीने 500 या उससे ऊपर वाले ग्राहकों) का पपलू खूब काटता है। कपिल खुद कह रहे हैं कि शो उन्होंने पूरे परिवार के एक साथ बैठकर देखने के लिए बनाया है तो मोबाइल पर 199 वाले प्लान में तो कोई इसे घरवालों के साथ बैठकर देखने से रहा, ऊपर से नेटफ्लिक्स खुद कह रहा है कि 13 साल से कम उम्र वाले लोग इसे न देखें तो फिर कहां से ये रहा पारिवारिक शो?

खैर, ये नेटफ्लिक्स है, ये कुछ भी कर सकता है। एलजीबीटीक्यू समुदाय के साथ अपना साथ दिखाने के लिए नेटफ्लिक्स की इस नई सीरीज के पहले एपिसोड में नव्या सिंह पूरा समय बस अर्चना पूरन सिंह की बाईं ओर बैठ मुस्कुराती रहती है। एक लाइन तक प्रोग्राम बनाने वालों ने उनसे नहीं बुलवाई। कपिल की पत्नी गिन्नी हैं। उनकी भाभी हैं। मां का आशीर्वाद तो कपिल को हर एपिसोड में लगता ही है। लेकिन, टेलीविजन से ओटीटी पर छलांग लगाने वाले इस शो का असल आकर्षण इसमें सुनील ग्रोवर की वापसी को होना था। कपिल और सुनील, जो इस बार डफली बनकर आए हैं, के बीच ऑस्ट्रेलिया ट्रिप की यादें ताजा हुईं। सुनील ने अपने झगड़े के दूसरे सीजन की डिमांड के बारे में भी बताया लेकिन उसके बाद जो कुछ इस किरदार और रणबीर के बीच इस शो में हुआ, उससे बढ़िया स्क्रिप्ट इन दिनों गांवों की मॉडर्न नौटंकियों की होने लगी है। लीड राइटर, सीनियर राइटर, राइटर और असिस्टेंट राइटर मिलाकर कोई 10 लोगों ने 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का ये पहला एपीसोड लिखा है, जिसमें नीतू कपूर बताती है कि ऋषि कपूर ने कभी ऊंची आवाज में किसी से बात नहीं की और यही संस्कार उनके दोनों बच्चों रणबीर और ऋद्धिमा में भी हैं। थोड़ी ही देर बाद रणबीर अपने पिता की वे यादें साझा करने लगते है जिसमें एक लेखक को उन्होंने बीच रास्ते अपनी कार से उतार दिया था, या फिर उन्हें अपने पापा की पहली 'टपली' उस दिन पड़ी थी, जब वह आर के स्टूडियो की पूजा में चप्पल पहनकर चले गए थे। जब तक ये बातचीत कपूर परिवार और कपिल के बीच चलती रहती है, मामला यूं सधा रहता है कि मानो अभी कुछ बड़ा और होने वाला है।

लेकिन, पता ये चलता है कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के पहले एपिसोड का जो कुछ दमदार मसाला था वह बस कपिल और कपूर परिवार के बीच ही हो गया। उसके बाद जैसे ही शेफ धनिया बनकर कीकू शारदा अपनी स्पेशल डिश से परदा उठाते हैं, इस डिश की तरह ही ये शो भी गंधहीन, रंगहीन और स्वादहीन हो लेता है। सुनील ग्रोवर की एंट्री बेअसर रही और उनकी स्किट की स्क्रिप्ट और भी बेमजा। सीरीज के इस पहले एपिसोड में कपिल शर्मा पूरे समय बस हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' की कामयाबी का सेहरा रणबीर कपूर के सिर बांधते नजर आए। रणबीर ने भी एक बार भी पूरी बातचीत में फिल्म की टीम का न शुक्रिया अदा किया और न ही इस ब्लॉकबस्टर फिल्म का क्रेडिट अकेले अपने को देने से कपिल को रोका। संदीप रेड्डी वांगा का एक बार नाम आया भी तो बहुत ही हल्के तौर पर।

पूरे एपिसोड का सबसे स्तरहीन स्किट रहा कृष्णा अभिषेक और कीकू शारदा का बॉबी देओल और सनी देओल की नकल उतारना। जब तक कृष्णा चुप रहकर अबरार की एक्टिंग करते रहे, उनकी तीन कथित बीवियों के साथ मामला फिर भी ठीक रहा लेकिन जैसे ही दोनों के बीच संवादों का आदान प्रदान शुरू हुआ और बड़े भाई को छोटे भाई की बीवियों का आलिंगन करने का प्रयास करते दिखाया गया, पूरा शो एकदम से ढेर हो गया। नेटफ्लिक्स की क्रिएटिव टीम को कोई तो रामचरित मानस के सुंदरकांड की वो चौपाई पढ़कर सुनाए, 'अनुज वधू भगिनी सुत नारी, सुन सठ कन्या सम ए चारी..!' आगाज अच्छा नहीं हुआ है और अगर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' की 'महान भारतीयता' यही दिखाई जानी है तो फिर इस शो का भविष्य समझा जा सकता है।

यौन तस्करी मामले में छापेमारी के बाद भी बेफिक्र नजर आए अमेरिकी रैपर, शर्टलेस तस्वीरें वायरल

अमेरिकी रैपर शॉन डिडी कॉम्ब्स मौजूदा समय में यौन तस्करी की जांच की वजह से होमलैंड सिक्योरिटी के निशाने पर हैं। इस बीच उन्हें मियामी के एक रेस्तरां में देखा गया। गंभीर आरोपों से घिरे होने के बाद भी हंसते, मुस्कुराते और धूम्रपान करते दिखाई दिए जैसे इस केस का उन पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ा हो। पिछले हफ्ते उनके एलए और मियामी एस्टेट पर की गई छापेमारी के बाद यह नजारा सामने आया है। शर्टलेस नजर आए सीन डिडी कॉम्ब्स सफेद शॉर्ट्स में बिना शर्ट के वे फ्लोरिडा की धूप और धुम्रपान का लुत्फ उठाते नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब रैपर को जांच के दौरान बेफिक्र होकर मस्ती करते देखा गया है। पिछले गुरुवार को उन्हें लड़कियों के साथ मियामी बीच में टॉप गोल्फ में देखा गया था। बाहर निकलते समय उन्होंने फोटोग्राफरों की ओर मुस्कुराते हुए पोज दिया था। छापेमारी के बाद छुट्टी करनी पड़ी थी रद्द वहीं एक अन्य वीडियो में वे एक बकेट टोपी और एक बड़े साइज का सोने का हार पहने नजर आए थे। उनके गले में नारंगी रंग का तौलिया भी था। रैपर इस हफ्ते बहामास में छुट्टियां मनाने जाने वाले थे, लेकिन अचानक हुई छापेमारी से उन्हें अपना कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने उनके घर की तलाशी ली और रैपर के दो बेटों को हिरासत में ले लिया गया। साथ ही, उन्हें भी हवाई अड्डे पर रोक दिया गया।

मजबूरी में मीना ने फिल्मों में रखा था कदम, सात साल की उम्र में डेब्यू कर इंडस्ट्री पर किया राज

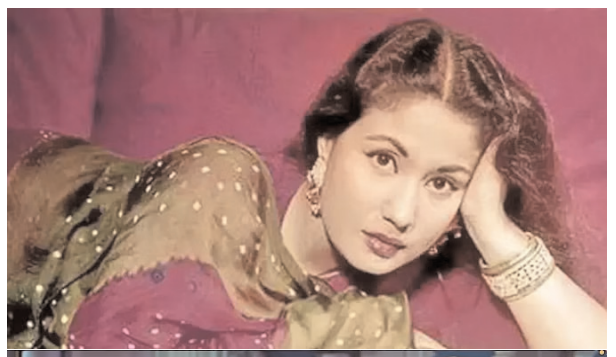

सात साल की उम्र में फरजाद-ए हिंद नाम की फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद अन्नपूर्णा, सनम, तमाशा, लाल हवेली जैसी फिल्मों में नजर आईं। हालांकि, मीना को पहचान फिल्म बैजू बावरा से मिली, जिसने उन्हें शोहरत की बुलंदियों पर पहुंचाया। यह फिल्म साल 1952 में रिलीज हुई थी। इसके बाद मीना कुमारी ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।अभिनेता अशोक कुमार के साथ मीना कुमारी को जोड़ी खूब जमी। दर्शकों को दोनों के बीच की केमिस्ट्री खूब पसंद आती थी। दोनों ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया, जो सुपरहिट रही। मीना कुमारी ने अपने फिल्मी करियर में चार बार फिल्मफेयर अवॉर्ड अपने नाम किया। हालांकि, फिल्मी करियर की तरह मानी का पर्सनल लाइफ बेहद उतार चढ़ाव भरी रही।धीरे-धीरे मीना कुमारी को शराब पीने की लत लग गई और यादा शराब पीने के कारण वह गंभीर बीमारी की शिकार हो गईं। फिल्म पाकिजा के रिलीज के बाद मीना लिवर सिरोसिस बीमारी की शिकार हो गई और 31 मार्च 1972 को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। आज मीना कुमारी के चाहने वाले उनकी पुण्यतिथि पर उन्हे याद कर रहे हैं।

हिंदी सिनेमा की मशहूर अदाकारा मीना कुमारी एक ऐसी हस्ती थी, जो फिल्मों अपने किरदार के चलते वह अमर हो गईं। अपनी फिल्मों के किरदार में मीना कुमारी जान फूंक देती थीं। भले ही मीना आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी फिल्मों के जरिए उनके होने का एहसास हमेशा बना रहता है। मीना कुमारी ने अपने करियर में बैजू बावरा, पाकीजा और साहेब बीवी और गुलाम जैसी फिल्मों में यादगार किरदार निभाए, जिनके लिए लोग आज भी उन्हें याद करते हैं। आज मीना कुमार की पुण्यतिथि है। चलिए आपको सिने जगत की इस मशहूर अदाकारा के सफर के बारे में बताते हैं। मीना कुमारी का जन्म 1 अगस्त साल 1933 में मुंबई में हुआ था। मीना कुमारी के पिता अली बख्श मुस्लिम और मां बंगाली क्रिश्चिन थीं। माता-पिता ने उनका नाम महजबीन रखा था। मीना कुमारी के पिता एक बेटा चाहते थे, बेटी के जन्म से उनके पिता बेहद दुखी थे। उन्होंने मीना को एक अनाथालय के बाहर छोड़ दिया और हालांकि, जब बाद में पिता का मन नहीं माना तो वे उन्हें वापस उठा लाए।घर की आर्थिक हालत ठीक ने होने की वजह से मीना ने महज सात साल उम्र में ही काम करना शुरु कर दिया था। उन्होंने

हादसों को न्यौता दे रहे खुले ट्रांसफार्मर

पहले भी हो चुके हैं हादसे, लोगो ने की सुधारने की मांग

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, नगर में कई जगह बिजली के ट्रांसफार्मर खुले पड़े हैं, जो हादसों को निमंत्रण दे रहे हैं। खुले ट्रांसफार्मरों से नगर में पहले भी कई बार हादसे हो चुके हैं। बिजली कंपनी इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि कई बार इसकी शिकायत भी अधिकारियों को की जा चुकी है।

नगर में जहां देखो, वहां खुले और बेतरतीब ढंग से ट्रांसफार्मर नजर आ जाते हैं। इससे हादसों की आशंका बनी रहती है। जबकि बिजली कंपनी के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी इन्हें देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। नगर में डीपी से बंदर चिपककर मरने की घटनाएं सामने आती रहती है। डीपी के समीप कूड़ा-कचरा भी पसरा रहता है। कचरे में आग लगने की आशंका भी बनी रहती है। कई जगह पर डीपी के आसपास मकान भी बने है जिनको हमेशा डर बना रहता है। साथ ही डीपी के नजदीक पेड़ लगे हैं।

इनका कहना है...

मामला संज्ञान में आया है। जहां भी ट्रांसफार्मर खुले होंगे उन्हें सुधारने का कार्य किया जाएगा। - **संजय शाक्य, जेई विद्युत कंपनी शाजापुर**

सुबह हुलियारों की टोली, दोपहर में निकली फाग यात्रा

सुबह से देर शाम तक उत्साह और उमंग से मनाया रंगपंचमी का त्यौहार

भगवान दास बैरागी। सिटी चीफ शाजापुर, शहर में रंगों के पर्व होली का समापन रंगपंचमी के साथ हुआ और इस दिन भी सुबह से शाम तक शहरवासी रंगों से सराबोर होकर टोलियों के रूप में घूमते रहे। जिन्हें जो भी जहां मिला उसे अपने संग शामिल कर लिया। तो शहर में निकली फाग यात्रा ने हुलियारों के उत्साह में चार चांद लगा दिए, जिसमें शामिल हुलियारों ने लोगों पर पंपों से गुलाल की बौछार कर दी। जिससे शहर की हर गली और सड़क रंग पंचमी के उत्साह का परिचय दे रही थी। एक-दूसरे को रंगने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। एक तरफ युवा वर्ग तो दूसरी तरफ महिलाओं ने भी इस पर्व को धूमधाम से मनाया। इसके साथ ही रंगों के त्यौहार होली पर्व का समापन भी हो गया। रंगपंचमी पर लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शनिवार को होली के पर्व को लेकर शुक्रवार शाम से ही लोगों ने तैयारी शुरू कर दी थी और जो भी मिला उसे रंगो से सराबोर कर रंगपंचमी पर्व की शुभकामना दी। इसके बाद शनिवार अलसुबह से लोग अपने मित्रों और टोली को घर से निकालने में व्यस्त हो गए थे और एक-एक कर सभी आजाद चौक पहुंचे जहां संगीतमय गीतों और ढोल-ढमाकों की थाप के साथ पानी की बौछारों के बीच नाच-गाकर पर्व मनाया और एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दी। खास बात यह रही कि खाकी की मौजूदगी में सभी लोगों ने अनुशासन का परिचय दिया। जिसके चलते पुलिसकर्मी भी पर्व का आनंद लेते रहे।

फागयात्रा का भी लिया आनंद- हुलियारों की टोली दोपहर बाद आजाद चौक से निकली फागयात्रा में शामिल हुई और उसमें भी हुलियारों ने जमकर रंग बरसाया तो जमकर डीजे की धुन पर बज रहे होली के गीतों पर झूमे भी। देखते ही देखते लोगों का हुजूम बढ़ता गया और हजारों लोग फाग यात्रा में शामि हुए। जिसने पर्व के उत्साह को और बढ़ा दिया।

कोतवाली दमोह पुलिस द्वारा आईपीएल सट्टा की बड़ी कार्यवाही

खिलवाते हुये 04 आरोपी समेत मोबाइल फ़ोन सब्त

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, पुलिस अधीक्षक महोदय श्रुतकीर्ति सोमवंशी दमोह के निर्देशन में थाना क्षेत्र मे आईपीएल सट्टा पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया है जो अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय संदीप मिश्रा एवं नगर पुलिस अधीक्षक महोदय के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक आनंद सिह ठाकुर द्वारा थाना कोतवाली के स्टाफ को लगातार दमोह शहर में जुर्म जरामय पतारसी हेतु आदेशित किया गया था जिसके तारतम्य में थाना प्रभारी कोतवाली आनंद सिह ठाकुर एवं कोतवाली पुलिस द्वारा थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच राजस्थान व दिल्ली के बीच चल रहे आईपीएल क्रिकेट मैच पर सट्टा खेलते व खिलवाते हुये 04 आरोपियो के विरूद्ध 4(क) सट्टा एक्ट 109 ताहि के तहत कार्यवाही की गयी। विवेचना मे अन्य आरोपियो के विरूद्ध कार्यवाही जारी है।

गिरफ्तार आरोपियो के नाम -

1. रिंकू यादव पिता उमा यादव उम्र 25 साल निवासी सिविल वार्ड नं. 4, दमोह

2. आयुष पांडे पुत्र स्व. मनोज पांडे, उम्र 21, निवासी तीन गुल्ली, दमोह। 3. सौरभ साहू, पुत्र सीताराम साहू, उम्र 36, निवासी महाकाली चौक, दमोह।

4. चक्रेश नामदेव पिता परषोत्तम नामदेव उम्र 42 साल निवासी फुटेरा वार्ड 4 दमोह जप्तसुदा सामाग्री - 1. एक मोबाईल आईफोन कंपनी का कीमती 30000 रूपये 2. एक मोबाईल ओप्पो कंपनी का कीमती 25000 रूपये 3. एक मोबाईल बीबो कंपनी का कीमती 20000 रूपये 4. एक मोबाईल रेडमी कंपनी का मोबाईल कीमती 10000 रूपये ।

5. नगद चारो आरोपियो के कब्जे से 12650 नगद रूपये ।

कुल जप्तसुदा मशरूका - 97650 रूपये

सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियो के नाम थाना प्रभारी कोतवाली निरी0 आनंद सिह ठाकुर, उनि योगेन्द्र गायकवाड, ए.एस.आई. रमाशंकर मिश्रा, प्रधान आर. अजीत दुबे, राकेश अठ्या, सौरभ टंडन आर, कृष्णकुमार, आकाश पाठक, राजकुमार सिह ठाकुर,

दमोह में आचार संहिता का नहीं दिख रहा असर

पथरिया थाना क्षेत्रान्तर्गत पुलिस द्वारा पकड़ी 57 लीटर अवैध शराब

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के लागू होने से दमोह शहर/अनुभाग स्तर पर शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के निर्देशन व अति0 पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा के मार्गदर्शन एवं अनु0अधिकारी पथरिया रधु केशरी के नेतृत्व में ग्राम गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की ग्राम आबूखेड़ी का राजकुमार लोधी अपने घर के पास बनी टपरिया में अवैध शराब बेच रहा है जो मुखबिर की सूचना की तस्दीक की गई जो राजकुमार लोधी के घर के पास पहुंचे तो टपरिया में बैठा युवक पुलिस को देख कर भागा जिसे घेरा बंदी कर पकड़ा और नाम पता पूछा जिसने अपना नाम राजकुमार लोधी निवासी आबूखेडी बताया जो टपरिया को चेक किया गया जो टपरिया के अंदर दो प्लास्टिक की बोरी में शराब भरी पाई गई एक बोरी में लाल देशी मसाला के

200 पाव एवम एक बोरी में सफेद देशी शराब के 117 पाव के दोनो बोरियो में कुल 317 पाव दोनो बोरियो में कुल 57 लीटर शराब पाई गई जो आरोपी से उक्त शराब रखने के कागजात पूछे गए जो कोई कागज नही होना बताया जो आरोपी राजकुमार लोधी के विरुद्ध अपराध धारा 34(2) अवकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

उक्त कार्यवाही में सराहनीय योगदान - निरी सुधीर कुमार बेगी थाना प्रभारी पथरिया उप निरी संतोष सिंह सह उप निरी बालेंद्र सिंह प्र0आर0 संदीप कुशवाहा,वीरेंद्र लोधी भगत , सायवर सेल से प्र0आर. 280 राकेश अठ्या, 353 सौरभ टंडन आर0मनीष बाल्मिकी ,ओमप्रकाश रैकवार, आकाश गौतम रामसिंह लोधी, एनआरएस रामकुमार तिवारी की अहम भूमिका रहीदमोह में

स्वामी विवेकानन्द केरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत उन्नति फाउंडेशन द्वारा पी जी कॉलेज में स्पोकन इंग्लिश का 30 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, उन्नति फाउंडेशन द्वारा स्थानीय पीजी कॉलेज दमोह में जीवन कौशल स्पोकन इंग्लिश समाजिक मूल्य एवं लाइफ स्किल के अंतर्गत महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले 36 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया यह प्रशिक्षण शिवम बसेड़िया प्रशिक्षणकर्ता द्वारा प्रदान किया गया। यह प्रोग्राम INFOSYS, NABARD, ZERODHA के सहयोग से संपन्न हुआ और इसमें छात्रों को Spoken English, Life Skills & Values के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के इस अंतिम दिवस पर छात्र एवं छात्राओं द्वारा इंग्लिश में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया तथा सांस्कृतिक गतिविधियां भी की गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के संरक्षक प्राचार्य डॉ. के. पी. अहिरवार, प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. एन. आर. सुमन, डॉ रमेश प्रसाद अहिरवार,डॉ नेहा जैन, डॉ जितेंद्र कुमार चौधरी, डॉ जितेंद्र, एकता मसीह आदि उपास्थित रही। विदित है कि यह कार्यक्रम महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले छात्र और छात्राओं के व्यक्तित्व को निखारने एवं उनमें भविष्य के प्रति सजग एवं जागरूकता बढ़ाने हेतु उन्नति फाउंडेशन द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से युवा जिले से बाहर अन्य जिलों एवं अन्य राज्यों एवं दूसरे देशों की बहुराष्ट्रीय कंपनियों में प्लेसमेंट हेतु अपने स्किल एवं व्यक्तित्व का विकास कर विकसित भरत के लक्ष्य को साकार करने हेतु अंग्रेजी भाषा के ज्ञान एवं उसकी बोलचाल में दक्षता अर्जित कर महाविद्यालय का नाम रोशन करने में मील का पत्थर साबित हो रहे है ।

SDM ने पटवारी को दिया नोटिस सदमें में पटवारी को आया हार्ट अटैक

काम के अत्यधिक दबाव के चलते बीमार हो रहे पटवारी

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ भोपाल, मध्य प्रदेश के सरकारी कर्मचारी वर्तमान समय में काम के अत्यधिक बोझ में दबे हुए है, जिसके चलते दुर्घटनाओं का शिकार तो हो ही रहे हैं वहीं दूसरी ओर मानसिक दबाव और तनाव के कारण ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और हृदय की बीमारियों से ग्रसित होते जा रहे हैं। ताजा मामले में इंदौर जिले के एक एसडीएम के द्वारा दिए जा रहे मानसिक तनाव और दबाव के कारण एक पटवारी को बीती रात हार्ट अटैक आ गया जिसे आइसीयू में रखा गया है। जिसके चलते पटवारियों में अत्यधिक रोष बना हुआ है।

MP के इंदौर जिले की मल्हारगंज तहसील के एक पटवारी को दोपहर में एसडीएम द्वारा शोकाज नोटिस दिया गया जिसमें गैर विभागीय कार्य ओर चुनाव आचार संहिता के कारण स्थगित हो चुके राजस्व महाभियान को लेकर दबाव बनाने के चलते बीती रात अचानक हार्टअटैक आ जाने के कारण गंभीर रूप में आइसीयू में भर्ती किया गया है । उक्त पटवारी प्रदीप चौहान है जो कि तहसील मल्हारगंज जिला इंदौर में पदस्थ है पटवारी संघ का तहसील अध्यक्ष भी है । Sdm ओम नारायण बडकुम द्वारा कारण बताओ नोटिस दिये जाने से पटवारी मानसिक तनाव में आ

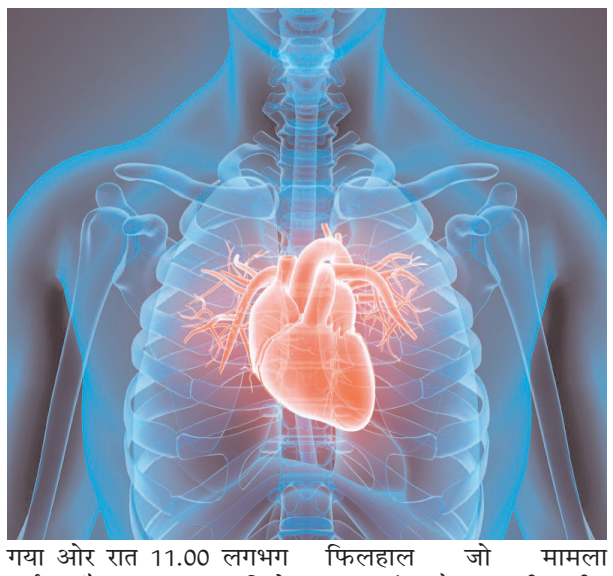

गया ओर रात 11.00 लगभग हार्ट अटैक आ गया जिसे यूनिक हॉस्पिटल अन्नपूर्णा रोड़ इंदौर ले जाया गया जहां डाक्टर ने इंजोग्राफी कर ह्रष्ह्व में भर्ती किया है। उक्त घटनाक्रम को लेकर कई तरह की चर्चाये जोरो पर है की पटवारी पर अपने अधिकारियो का दबाव काम को लेकर काफी था ओर आज ही उसे एक नोटिस भी एसडीएम द्वारा भेजा गया था जिसके बाद ही उसे कोई सदमा लगा हो ओर उसे हार्ट अटैक आ गया ।

वैसे देखा जाये तो इस समय जब चुनावी समर में कई योजनाओ के क्रियान्वन को लेकर दबाव ऊपर से नीचे तक सभी शासकीय लोगो पर है,पर क्या इतना दबाव भी हो सकता है किसी पर की उसकी सदमे में जान पर बन आये,जी हां फिलहाल जो मामला मल्हारगंज के पटवारी प्रदीप चौहान के अचानक हार्ट अटैक का सामने आया है उससे तो ऐसा ही लगता है की कुछ ज्यादा ही तनाव निचले कर्मचारियों पर कामकाज का बना हुआ है।

अब ये एक बड़ा सवाल है की क्या इस नोटिस के कारण ही पटवारी को इतना बड़ा सदमा लगा की उसे हार्ट अटैक आ गया तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या संबंधित अधिकारी जो सत्ता पक्ष की गैर विभागीय योजना को पूरा करवा कर अपने आप को गुड बुक में लाना चाहते है पर कार्यवाही होगी? चर्चा इस बात की भी पटवारियों के बीच है कि जिस कार्य के लिए नोटिस भेजा गया उसके आलावा भी कई काम शासन की महत्वपूर्ण योजनाए चल रही है ये ही नहीं लोकसभा निर्वाचन कार्य भी चल रहा है जिन्हे भी देखना आवश्यक है,ऐसे में इतना दबाव क्यों अधिकारियो द्वारा कर्मचारियों पर बनाया जा रहा है। मामले को लेकर पटवारियों में अत्यधिक गुस्सा है और हो सकता है कि पटवारी उक्त मामले को लेकरअपना विरोध दर्ज करवाएंगे।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शासन द्वारा विगत 6 माह से विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले इन अभियानों में रिकॉर्ड शुद्धिकरण राजस्व महाभियान, फसल गिरदावरी, लोक सेवा गारंटी के तहत प्राप्त आवेदनों का निराकरण, सीएम हेल्पलाइन, किसान सम्मान निधि सत्यापन, एल आर लिंकिंग के साथ ही विभागीय कार्य समय सीमा में किए जाने का प्रदेश के पटवारियों पर अत्यधिक दबाव है। उक्त अभियानों में जिलों की रैंकिंग कर अभियान समयावधि में पूरा किए जाने का अत्यधिक दबाव अधिकारियों और कर्मचारियों पर बनाया जा रहा है, जिसमें मूर्त रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पटवारियों पर कार्य का लगातार दबाव बना हुआ है जिसके चलते पटवारी बीमारियों से ग्रसित हो रहे है और इस तरह की घटना घटित हो रही है।

श्री देवी अहिल्या शिशु स्कूल की शिक्षिका साधना गंगवाल की

पांचवी के छात्र को क्लास में शिक्षा से वंचित करने का लगाया आरोप

इंदौरन्मनीषा भारतीय ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरा बेटा रामकृष्ण उम्र 11 वर्ष,कक्षा पांचवी श्री देवी अहिल्या शिशु विहार स्कूल छत्रीबाग इंदौर का छात्र है।मेरे बेटे देवी अहिल्या शिशु विहार स्कूल छत्रीबाग की मेडम श्रीमती साधना गंगवाल के द्वारा अमानवीय अपमानजनक अत्याचार व्यवहार करते आ रही है। इसी सत्र में स्कूल क्लास में बैठ कर पढ़ाई करने नहीं दिया जाता रहा है।और मेरे बेटे को जलील कर महीनो तक ऑफिस में बिठाया जाता था। मेरे बच्चे के साथ मेडम ने कपट पूर्वक भेदभाव दुर्व्यवहार कर मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ित किया गया था। शिकायत की सत्यता जानने के लिए दिसंबर जनवरी फरवरी माह की स्कूल ऑफिस में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज वीडियो देखे जाए। इस संबंध में शिकायत स्कूल की प्रिंसिपल मैडम श्रीमती अर्पणा व्यास से की थी जिसके बावजूद एक दिन मेरे बेटे को स्कूल क्लास में बैठने दिया था। श्रीमती साधना गंगवाल मैडम के द्वारा मेरे 10-11 वर्ष के बेटे से कपट रख करअन्याय करती आ रही है। और मेरे बेटे को स्कूल से टीसी निकालने और स्कूल में फेल करने की धमकी देती है।और जलील करती हैं।जिससे मेरे बेटे को मानसिक तनाव देकर श्रीमती साधना गंगवाल मेडम प्रताड़ित करती आई है।स्कूल प्रबंधन के निर्देशों के अनुसार ही मेरा बेटा स्कूल ड्रेस आईडी कार्ड के साथ स्कूल बैग लेकर पढ़ने के लिए जाता रहा है। स्कूल फीस भी निर्दोषों के अनुसार सम्पूर्ण फीस जमा कर भुगतान रूपयो की 04 रसीद प्राप्त कर चुके हैं। रामकृष्ण की इस सत्र 2023 -24 वर्ष स्कूल फीस का बकाया रुपया भी नहीं है।मेरे बेटे को छोटी-छोटी बात पर रोका टोका गया और तिलक लगा कर स्कूल आने पर श्री मति साधना गंगवाल मैडम को आपत्ति थी तो मेरा बेटा दूसरे दिन से तिलक लगा कर स्कूल नहीं गया।जिसके बाद भी मेरे बेटे से कपट पूर्वक व्यवहार क्यों

कर रही हे।स्कूल के व्हाट्सएप ग्रुप पर दिनांक 20 मार्च को प्राप्त सूचना के अनुसार दिनांक 28 मार्च को रिजल्ट घोषित किए जाने की सूचना प्राप्त होने से मेरे बेटे रामकृष्ण भारतीय का रिजल्ट लेने मेरे बेटे के साथ स्कूल गई थी। श्रीमती साधना गंगवाल मेडम ने मुझे रिजल्ट देने से मना करते हुए कहा कि पहले अपनी स्वेच्छा से टीसी निकालने का आवेदन लिखकर दो इसके बाद तुम्हे रिजल्ट और टीसी दोनों साथ दे दूंगी।मेरे द्वारा साधना मैडम से कहां मैडम आप मेरे बेटे की टीसी निकालने के लिए क्यों कह रहे हैं मैं मेरा बेटा इसी स्कूल में पड़ना चाहता है। इस संबंध में प्रिंसिपल मैडम अर्पणा व्यास से बात करना चाहती हूं। श्रीमती साधना मैडम बोली की आज तुमसे मैडम नहीं मिल सकती श्री देवी अहिल्या शिशु विहार स्कूल इंदौर के ट्रस्टी लोग आए हैं स्कूल के बच्चों के साथ फोटो सेशन चल रहा है।शिकायत करना है तो कलेक्टर के पास जाओ यहां से दफा हो जाओ हमारा कुछ नहीं बिगड़ेगा पहले भी कई बार तुम्हारे बेटे को बोल चुकी हूं। टीसी निकाल कर अपना बेटा लेकर स्कूल से चलते बनो। अब उसको इस स्कूल में नहीं रख पाएंगे ऐसा कहते हुए जालिल किया और मुझे मेरे बेटे रामकृष्ण भारतीय की अंकसूची नहीं दी। साधना गंगवाल मेडम के अपमान जनक कपटी दुर्व्यवहार से बार बार प्रताड़ित कर टीसी निकालने का दबाव बनाकर मेरे बेटे रामकृष्ण भारतीय की संपूर्ण स्कूल फीस समय से भर देने के बावजूद शिक्षा के अधिकार और बाल संरक्षण अधिनियम के विरुद्ध निर्दोष बच्चे के साथ कपट पूर्वक आचरण रख कर स्कूल से हटाने का मनमर्जी का रवैया अपना कर अन्याय अत्याचार किया जा रहा है।मेरी शिकायत पर विश्वसनीय एवं निष्पक्ष जांच की जाए । मेरा बेटा रामकृष्ण और मेरे समक्ष जांच की जाए मेरे और मेरे और बेटे के बयान लेख किए जाए। मेरी शिकायत के संबंध में नियम अनुसार शपथ पत्र नोटरी कर कर देने को भी तैयार हूं। अत्याचारी शिक्षिका श्रीमती साधना गंगवाल जी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई कर पुलिस प्रकरण दर्ज कर आरोपी बनाया जाए । स्कूल की विश्वसनीय टीम गठित कर स्कूल मान्यता आधार की जांच की जाए तो कई मामले उजागर होने की प्रबल आशंका है। स्कूल की मान्यता निरस्त की जाए। इस आशय की लिखित शिकायत राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग, मुख्य सतर्कता आयोग केंद्रीय स्कूल दिल्ली व कलेक्टर एवम् जिला दंडाधिकारी इंदौर शाहिद संबंधित विभाग के अधिकारियों को की गई है।

चुनाव आयोग ने 19 अप्रैल की सुबह से एक जून की शाम तक एग्जिट पोल दिखाने पर लगाई रोक

एजेंसी। निर्वाचन आयोग ने एक अधिसूचना जारी कर 19 अप्रैल की सुबह सात बजे से एक जून की शाम साढ़े छह बजे के बीच एग्जिट पोल आयोजित करने, इसके प्रकाशन या प्रचार पर प्रतिबंध लगा दिया है. इसी अवधि में लोकसभा के अलावा चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के लिए अलग-अलग चरण में मतदान होगा गुरुवार को जारी अधिसूचना में यह भी स्पष्ट किया गया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत, मतदान के समापन के लिए तय समय के साथ समाप्त होने वाली 48 घंटों की अवधि के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में किसी भी जनमत सर्वेक्षण या किसी अन्य चुनावी सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी ऐसी चुनावी सामग्री को प्रदर्शित करना प्रतिबंधित होगा लोकसभा चुनावों के अलावा आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम की विधानसभाओं के चुनाव भी होंगे इसी अवधि में 12 राज्यों की 25 विधानसभा सीटों पर अलग से उपचुनाव भी होंगे। यूसुफ पठान को 2011 विश्वकप की तस्वीरें इस्तेमाल करने से रोका वहीं एक अन्य मामले में निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को मुर्शिदाबाद जिले के बहरामपुर से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान को 2011 विश्वकप से जुड़े किसी भी बैनर या पोस्टर का इस्तेमाल न करने का आदेश दिया है। यूसुफ पठान ने पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को अपने बैनर में दर्शाया था, जिसको लेकर कांग्रेस ने 26 मार्च को चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2011 में वनडे विश्व कप जीता था उस समय क्रिकेट टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे. पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान के बड़े भाई यूसुफ पठान भी टीम का हिस्सा थे राज्य के मुख्य निर्वाचन आयोग (सीईओ) कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि शिकायत को संज्ञान में लेने के बाद, चुनाव आयोग ने कांग्रेस के तर्क को मजबूत पाया, क्योंकि 2011 वनडे विश्व कप में भारत की जीत हर भारतीय के लिए गर्व की बात थी, इसलिए मतदाताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए किसी भी राजनीतिक दल द्वारा इस भावना का फायदा नहीं उठाया जाना चाहिए।

विदिशा संसदीय क्षेत्र से लोकसभा चुनाव सहप्रभारी बने रोहित करारी

गंज बासौदा भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिले के नेता रोहित करारी परिहार को युवा मोर्चा द्वारा विदिशा संसदीय क्षेत्र का आगामी लोकसभा चुनाव सह प्रभारी नियुक्त किया गया है रोहित लम्बे समय से ही विभिन्न जिम्मेदारी पर रहे है भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता है तथा भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री वी डी शर्मा जी एवं युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष श्री वैभव पंवार जी के काफी करीबी है। उनके संगठनात्मक कौशल और संगठन के प्रति निष्ठा एवं उनके कार्यो को देखकर युवा मोर्चा द्वारा बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है इस अवसर पर उनके साथियों एवं मित्रगणो द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गई तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की इस मौके पर उन्होंने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया ।

केसुर में मनाया फ़ाग उत्सव हुआ रंगमय केसुर

प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी होली पश्चात रंग पंचमी पर फ़ाग यात्रा का आयोजन हुआ इस आयोजन के पहले फ़ाग उत्सव समिति के सदस्यों ने पूरे नगर को भगवा पताको से सजाया जा कर उत्सव को बड़े ही रंगीन तरीके से मनाया जाता है इस अवसर पर राधा कृष्ण भाग यात्रा बड़े जोर शोर व उल्लास के साथ मनाई जाती है इस यात्रा में सभी समाज के साथ के साथ क्षेत्रिय लोग भी इस रंग के उत्सव में शामिल होते है

रंग गुलाल के साथ ढोल तासो एवं डीजे पर सभी थिरकते नजर आते है इस यात्रा प्राकृतिक गुलाल आ उपयोग करते हुए केमिकल के कलोर का उपयोग नही किया जाता प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष सभी केसुर नगर में राधा कृष्ण भाग यात्रा निकाली गई जिसमें ढोल ताशा एवं डीजे के साथ साथ साथ गुलाल और अबीर को तोपों से उड़ाया जाता है फाल्गुन के गीतों पर हर कोई धिरक रहा था सभी नाच रहे थे बड़ा ग्राउंड से शुरू हुई जो बस स्टैंड तेजाजी मंदिर बड़ा चौक हल्दीघाटी माली सेरी होती हुई बजरंग घाट सदर बाजार और बैंक आफ इंडिया के सामने भारत माता की आरती के साथ में समापन हुआ पुलिस प्रशासन इस फाग यात्रा में बड़ा मुस्तेद दिखाई दिया सादलपुर थाना प्रभारी श्रीमती सविता चौधरी अपनी पूरी पूरी टीम के साथ यात्रा में सम्मिलित रही शांति समिति के सभी सदस्यों ने पुलिस प्रशासन एवं सभी का आभार माना

सनातन धर्म में आस्था और श्रद्धा का त्यौहार शीतला सप्तमी रविवार को

रात्रि जागरण व सोमवार को विशेष पुजा आराधना के साथ मनाया जायेगा

सिंगोली:- इस बार शीतला सप्तमी का पर्व 1अप्रेल सोमवार चैत्र कृष्ण सप्तमी को आ रहा है।मां शीतला को देवी दुर्गा का स्वरूप माना जाता है और यह पर्व तेज गर्मी के पुर्व शीतलता के लिए और असाध्य बिमारी से बचने के लिए चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को व्रत रखते हुए मां शीतला की पूजा करने का विधान होता है। पारंपरिक रूप से यह व्रत त्योहार आस्था और श्रद्धा विश्वास के साथ महिलाओं द्वारा मनाया जाता है। शीतला सप्तमी के दिन बासी खाने का भोग लगाया जाता है। सनातन धर्म में हर माह कोई न कोई प्रमुख व्रत-त्योहार आता है और हर एक व्रत-त्योहार का विशेष महत्व होता है। इसी प्रकार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को शीतला सप्तमी का व्रत रखा जाता है। हर वर्ष यह व्रत होली के 7 दिन बाद मनाया जाता है, इस व्रत में मां शीतला की विशेष रूप से पूजा-आराधना की

जाती है,इस व्रत में मां शीतला को बासी भोजन का भोग लगाया जाता है,यह व्रत मुख्य रूप से मां अपने बच्चे की लंबी आयु और अच्छी सेहत के लिए शीतला माता से कामना करती हैं। इस व्रत का महत्व और पूजा विधि शीतला सप्तमी तिथि और शुभ मुहूर्त हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को शीतला सप्तमी का व्रत रखा जाता है पंडितो के बताये अनुसार 31मार्च 2024 को रात्रि में रात्रि जागरण के साथ सप्तमी तिथि प्रारंभ हो कर 1अप्रेल को रात 09 बजकर 27 मिनट तक रहेगी ऐसे में उदया तिथि के आधार पर शीतला सप्तमी का व्रत 1अप्रेल को हैं।

मां शीतला को देवी दुर्गा का स्वरूप माना जाता है हर साल चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को व्रत रखते हुए मां शीतला की पूजा करने का विधान होता है इस दिन मां को सबसे अलग तरह का भोग अर्पित किया जाता है इस दिन माता शीतला को बासी और ठंडा भोजन का भोग लगाया जाता है ऐसी मान्यता है कि माता शीतला को बासी भोजन का भोग लगाने पर अच्छी सेहत का वरदान मिलता है।कई जगहों पर इस व्रत

को बासौड़ा के नाम से भी जाना जाता है।शीतला सप्तमी का व्रत और पूजा- आराधना सबसे ज्यादा मध्य भारत एवं उत्तरपूर्व के राज्यों में बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है,शीतला मां का स्वरूप अत्यंत ही शीतल बताया जाता है और इनका स्वरूप रोगों को हरने वाला है इनका वाहन गधा है इनके हाथों में कलश, सूप, झाड़ू और नीम के पत्ते रहते हैं शीतला सप्तमी को बसोड़ा के नाम से भी प्रचलित है शास्त्रों के अनुसार, इस दिन भोजन पकाने के लिए आग नहीं जलाई जाती बल्कि महिलाएं व्रत के एक दिन पहले ही भोजन बना लेती हैं और बसोड़ा वाले दिन घर के सभी सदस्य इसी बासी भोजन का सेवन करते हैं माना जाता है शीतला माता चेचक रोग, खसरा आदि बीमारियों से बचाती हैं मान्यता है, शीतला मां का पूजन करने से चेचक, खसरा, बड़ी माता, छोटी माता जैसी बीमारियां नहीं होती और अगर हो भी जाए तो उससे जल्द छुटकारा मील जाता है। शीतला सप्तमी पर महिलाएं प्रात: 4बजे से स्नान कर पुजा साम्रगी और जल कलश ले जाकर माता शीतला के मंदिर में पहुंचेगी हर शीतला मंदिर पर महिलाओं की भीड़ समुह के रूप में उमड़ेगी जो पुरे दिन रहेंगी बड़ी आस्था और श्रद्धा के साथ शीतला सप्तमी का पर्व मनाया जायेगा।

अलीराजपुर पुलिस की अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही

11484 लीटर अंग्रेजी शराब कीमती 69,46,036 रू की जप्त,मौके से अवैध शराब में परिवहन मे प्रयुक्त 36 लाख रू का ट्रक भी जप्त

अलीराजपुर। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर श्री राजेश व्यास ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुये अलीराजपुर पुलिस के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 निर्विघ्न, भयमुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण संपन्न कराये जानें के उददेश्य से संपूर्ण जिलें में अवैध शराब व्यवसाय में लिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जा रही थी, इसीक्रम में दिनांक 30 मार्च 2024 की रात्रि मे कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा बडी मात्रा मे अवैध शराब जप्त करने मे सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 30 मार्च 2024 को कोतवाली पुलिस टीम को रोड गश्त के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि आंबुआ से अलीराजपुर की ओर अवैध शराब से भरा ट्रक, जिसका रजिस्टेशन नंबर जीजे-20 व्ही-3296 आ रहा है। सूचना पर

थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शिवराम तरोले के अधिनस्थत टीम के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये कोतवाली थाना क्षेत्रान्तर्गत आनेवाले संपूर्ण मार्गों पर वाहन की धरपकड हेतु घेराबन्दी की कार्यवाही की गई। घेराबंदी के दौरान पुलिस टीम को आंबुआ-अलीराजपुर रोड पर आंबुआ तरफ से एक ट्रक आता हुआ दिखाई दिया, जिस पुलिस टीम के द्वारा दूर से ही रोकने का प्रयास किया, जिस पर ट्रक चालक वाहन को दूर खडा कर अंधेरा होनें से भाग गया।

पुलिस टीम के द्वारा वाहन के पास जाकर वाहन को चेक करते ट्रक क्रमांक जीजे-20 व्ही-3296 मे गोवा व्हीस्की कंपनी की अंग्रेजी शराब की 1276 पेटियाँ भरी हुई थी। शराब की कुल मात्रा 11484 लीटर होकर कुल किमत 69,46,036/- रुपये एवं अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त ट्रक कीमत 36 लाख रूपये का जप्त कर अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्र. 174/2024 धारा 34(2),46 आब. एक्ट का पंजीबध्द कर, प्रकरण को अनुसंधान में लिया जाकर अवैध रूप से शराब परिवहन के संबंध में कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा जांच की जा रही है।

उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक शिवराम तरोले, उप निरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी, उप निरीक्षक अजय वास्कले, प्रआर सुरेश, आर भूपेन्द्र, आर हनुमन्त मीणा का सराहनीय योगदान रहा है।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर श्री राजेश व्यास के द्वारा बताया गया कि संपूर्ण जिलें में आचार संहिता का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है। अलीराजपुर पुलिस के द्वारा आचार संहिता के दौरान अबतक कुल 59 प्रकरण बनाये जाकर 15115 लीटर लीटर शराब कीमत 85,63,566रू0 तथा अवैध शराब परिवन मे प्रयुक्त 05 वाहन कीमत 67 लाख रूपये के जप्त किये गये हैं। इस प्रकार अवैध शराब से संबंधित कुल 1 करोड, 52 लाख, 63 हजार, 566 रू0 की जप्ती की जा चुकी है। अवैध शराब व्यवसाय में लिप्त असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर लगातार पुलिस की नजर बनी हुई है। अवैध शराब मे लिप्त असामाजिक तत्वों पर आगे भी प्रभावी कार्यवाही जारी रहेगी।

राजनीति में एक परिवार से सबसे अधिक सांसद होने का रिकॉर्ड किया कायम

आसिफा की जीत के साथ ही जरदारी परिवार के हुए छह सांसद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति काफी दिलचस्प बनी हुई है। कभी चुनाव में धांधली के आरोप तो कभी दो पार्टियों का गठबंधन कर लेना। इन सबके बीच राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के परिवार ने एक नया रिकॉर्ड बना लिया है। दरअसल, आसिफ अली और दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की सबसे छोटी बेटी आसिफा को निर्विरोध संसद सदस्य चुने जाने के बाद जरदारी ने शरीफ को पीछे छोड़ते हुए पाकिस्तान की राजनीति में एक परिवार से सबसे अधिक सांसद होने का रिकॉर्ड कायम किया है।

कहा जा रहा है कि बेनजीर भुट्टो की बेटी आसिफा भुट्टो देश की प्रथम महिला की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। यह पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार है कि किसी स्थायी राष्ट्रपति की पत्नी को नहीं, बल्कि बेटी को यह औपचारिक उपाधि दी जाएगी। 31 साल की आसिफा भुट्टो पाकिस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो और देश के एकमात्र दो बार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की सबसे छोटी बेटी हैं। पिछले दशक में आसिफा ने प्रभावशाली भुट्टो-जरदारी परिवार में राजनीतिक सफलता की कई सीढ़ियां चढ़ी हैं। वह राष्ट्रपति जरदारी और अपने भाई बिलावल भुट्टो के बाद परिवार की तीसरी सबसे प्रभावशाली राजनीतिक चेहरा हैं।

उम्मीदवारों के नाम वापस लेने पर आसिफा को मिली जीत

आसिफा ने उपचुनाव के लिए सिंध प्रांत के शहीद बेनजीराबाद (पूर्व में नवाबशाह) इलाके से नेशनल असेंबली सीट एनए-207 के लिए नामांकन पत्र भरा था। क्षेत्र के निर्वाचन कार्यालय द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, आसिफा को निर्विरोध चुना गया, क्योंकि उनके खिलाफ नामांकन दाखिल करने वाले तीन उम्मीदवारों ने मुकाबले से अपना नाम वापस ले लिया। नाम वापस लेने वाले अब्दुल रसूल ब्रोही, अमानुल्लाह और मेराज अहमद थे। उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की वजह से आसिफा के सामने कोई चुनौती नहीं मिली और शुक्रवार को हुए पहले चुनावी मुकाबले में उन्हें विजेता घोषित किया गया। यह सीट उनके पिता आसिफ अली जरदारी के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद खाली हुई थी।

जरदारी परिवार में इतने सांसद

आसिफा की जीत के साथ ही जरदारी परिवार के राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर पर छह सांसद हो गए हैं। इससे जरदारी ने शरीफ परिवार के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए पाकिस्तान की राजनीति में एक परिवार से सबसे अधिक सांसद होने का रिकॉर्ड कायम किया है।दोनों राजनीतिक परिवारों को अधिकतर समय तक पाकिस्तान पर शासन करने के लिए जाना जाता है। अब जरदारी खुद देश के राष्ट्रपति हैं, उनकी बेटी आसिफा, बेटे बिलावल भुट्टो जरदारी और बहनोई मुनव्वर अली तालपुर नेशनल असेंबली के सदस्य हैं, जबकि दोनों बहनें फरयाल तालपुर और अजरा पेचुहो सिंध में प्रांतीय असेंबली की सदस्य हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बड़े भाई नवाज शरीफ और उनके बेटे हमजा शहबाज शरीफ एमएनए चुने गए हैं, जबकि उनकी भतीजी मरियम नवाज शरीफ पंजाब की मुख्यमंत्री हैं। 31 वर्षीय आसिफा के पास राजनीति और समाजशास्त्र में स्नातक की डिग्री है। वहीं, वैश्विक स्वास्थ्य और विकास में मास्टर की डिग्री है। उन्होंने शुरूआत में 2012 में पोलियो उन्मूलन अभियान के लिए काम किया है, जिसने उन्हें जनता के बीच पहचान मिली।

40 किलो से अधिक वजन होने पर 250 के बजाय देना होंगे 340 रुपए

5 साल बाद बढ़ी कुलियों की मजदूरी महंगा पड़ेगा ट्रेन का सफर

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने कुलियों की सुविधा बढ़ाने के पश्चात मेहनताना में वृद्धि करने के आदेश दिए हैं। बढ़ती महंगाई को देखते हुए कुलियों की सामान ढोने की दर में इजाफा करने की पुरानी मांग थी। इसके अलावा उनको रेल कर्मचारियों की तरह पहले से कई प्रकार की सुविधाएं दी जा रही हैं। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुलियों की सामान ढोने की दरें लगभग पांच साल बाद बढ़ाई गई है। रेलवे बोर्ड के आदेश के बाद रायपुर डिविजन में इस पर अमल किया है। बोर्ड ने कहा कि देशभर के सभी 68 डिविजनों में इसे लागू किया जाए। अधिकारी ने बताया कि जोनल रेलवे के महाप्रबंधक को अधिकार होगा कि वह कुली की दरों की समीक्षा कर तर्कसंगत बनाए। अधिकारी ने बताया कि 40 किलो से अधिक वजन होने पर रेल यात्री को 250 के बजाए 340 रुपये देने होंगे। वहीं व्हील चेयर पर बुर्जग-बीमार को लाने के लिए 130 के स्थान पर 180 रुपये का भुगतान करना होगा। स्ट्रेचर पर बीमार को लेने के लिए 200 रुपये की जगह 270 रुपये देना होगा। कुली की उक्त दरें देशभर में रेलवे के बड़े स्टेशनों (ए1 व ए श्रेणी) पर लागू होंगी। वहीं छोटे रेलवे स्टेशनों पर दर कुछ कम होंगी। तय दर से अधिक पैसे मांगने पर रेल यात्री स्टेशन मास्टर से शिकायत कर सकेंगे। अधिकारी ने बताया कि कुली दरों में इजाफा होने से उनको आर्थिक रूप से फायदा होगा।

मुफ्त इलाज समेत दी जा रही कई सुविधाएं

रेलवे बोर्ड ने सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर कुलियों को मुफ्त चिकित्सा, पढ़ाई, ट्रेन में पास आदि की सुविधा कई साल पहले शुरू कर दी थी। कुली व उनके परिजन रेलवे अस्पतालों में मुफ्त इजाल करा सकेंगे। इसमें प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना कार्ड धारक इस सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा कुलियों को हर साल तीन लाल शर्ट और एक गर्म शर्ट दी जाती है। साथ ही उनको हर साल पास तथा एक प्रिविलेज टिकट आर्डर (पीटीओ) दिया जाएगा। कुलियों को स्टेशनों पर ही रेस्ट रूम की सुविधा दी गई है। इनमें टीवी, आरओ वाटर और बेड आदि जरूरी सुविधाएं होंगी।

मुठभेड़ में मारे गए छह नक्सली सुरक्षाबलों पर उठे सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीजापुर के गांव चिपुरमाटी में 27 मार्च को हुई कथित मुठभेड़ पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसमें छह नक्सली मारे गए थे। निकटवर्ती ग्रामीण भी इस मुठभेड़ के बारे में सटीक तरीके से जानकारी नहीं दे पा रहे। जिस जगह पर मुठभेड़ होने का दावा किया जा रहा है, वहां पर भी कुछ ठोस सबूत नजर नहीं आ रहे। हालांकि पुलिस ने मुठभेड़ होने की बात कही है। विश्वस्त सूत्रों का कहना है, सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की बात सही नहीं है। जंगल में 120 मिनट के भीतर सीन बदल जाता है। सुरक्षा बलों ने जिस नक्सली को जिंदा पकड़ा था, दो घंटे बाद वह भी उन नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारा जाता है। इस मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस का खास दस्ता और केंद्रीय बलों की एक विशेष इकाई, सवालों के घेरे में है। सूत्रों के मुताबिक, इस मुठभेड़ में केंद्रीय बलों की एक विशेष इकाई के जवान शामिल बताए जा रहे हैं। इसके अलावा नक्सलियों का मुकाबला करने के लिए तैयार की गई, राज्य पुलिस का खास दस्ता भी मुठभेड़ के दौरान केंद्रीय बलों के साथ था।

दस लोगों को पकड़ा था सुरक्षा बलों ने

सुरक्षा बलों ने जिन लोगों को पकड़ा था, उनकी संख्या करीब दस बताई गई है। आरोप है कि उनके पास इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस आईईडी तैयार करने का सामान था। मुठभेड़ के बाद माओवादियों की दक्षिण बस्तर डिवीजनल कमेटी द्वारा एक बयान जारी किया गया। कमेटी के सचिव गंगा के हवाले से कहा गया कि 27 मार्च को छह लोगों की हत्या की गई है। उनमें से दो संगठन के लोग थे और बाकी ग्रामीण थे। हालांकि इस मामले में ग्रामीणों ने पांच नक्सलियों के होने की बात कही है। पहले उन सभी को पकड़ा गया और उसके बाद उन्हें कथित मुठभेड़ में मार गिराया। माओवादियों की तरफ से यह दावा किया गया कि कथित मुठभेड़ में कोई भी सशस्त्र कैडर मौजूद नहीं था।

12 घंटे से अधिक चले ऑपरेशन के बाद आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर समुद्री डाकू

भारतीय सेना ने पाकिस्तानी चालक समेत जहाज को बचाया

नई दिल्ली। एक और समुद्री डकैती को फेल करते हुए भारतीय नेवी ने समुद्र में अपला जलवा बरकरार रखा है। भारतीय की नौसेना ने अरब सागर में हाइजैक किए गए ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज अल-कंबर 786 और उसके 23 सदस्यीय पाकिस्तानी चालक दल को सुरक्षित बचा लिया। 12 घंटे से अधिक लंबे चले ऑपरेशन के बाद समुद्री डाकू आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर हो गए।

अधिकारियों ने कहा कि नौसेना ने बंधक बनाए गए मछली पकड़ने वाले ईरानी पोत और उसके चालक दल के सदस्य के रूप में कार्यरत 23 पाकिस्तानी नागरिकों को समुद्री लुटेरों के खिलाफ 12 घंटे से अधिक चले अभियान के बाद छुड़ा लिया।

नौसेना के प्रवक्ता की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारतीय नौसेना की विशेषज्ञ टीमें मछली पकड़ने वाले पोत की गहन जांच कर रही हैं ताकि मछली पकड़ने के काम को फिर से शुरू करने के लिए उसे सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया जा सके। भारतीय नौसेना ने शुक्रवार देर शाम कहा था कि वह अगवा किए गए मछली पकड़ने वाले पोत को बचाने के लिए एक अभियान में लगी है जिस पर कथित तौर पर नौ सशस्त्र समुद्री डाकू और उसके चालक दल सवार हो गए हैं।

नौसेना ने कहा कि जहाज को बृहस्पतिवार को रोक लिया गया। इसमें कहा गया, आईएनएस सुमेधा ने शुक्रवार तड़के एफवी अल कंबर को रोका और बाद में आईएनएस त्रिशूल भी इसमें शामिल हो गया...। घटना के समय मछली पकड़ने वाला पोत सोकोट्रा से लगभग 90 समुद्री मील (एनएम) दक्षिण पश्चिम में था और बताया गया है कि सशस्त्र समुद्री लुटेरे उस पर सवार थे।

भारतीय नौसेना के अध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार ने पिछले शनिवार को कहा था कि हिंद महासागर को और अधिक सुरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए नौसेना बल सकारात्मक कार्रवाई करेगा। इसी के साथ उन्होंने नौसेना द्वारा गत 100 दिनों में समुद्री लुटेरों के खिलाफ की गई कार्रवाई का भी उल्लेख किया। हाल ही में सोमालिया तट के पास एक अभियान में पकड़े गए 35 समुद्री लुटेरों को लेकर युद्धपोत आईएनएस कोलकाता शनिवार सुबह मुंबई पहुंचा। उसने कहा कि यहां लाने के बाद इन समुद्री लुटेरों को मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया। यह कार्रवाई ऑपरेशन संकल्प के तहत की गई, जिसके तहत भारतीय नौसेना के जहाजों को अरब सागर और अदन की खाड़ी में तैनात किया गया है ताकि क्षेत्र से गुजरने वाले नाविकों और मालवाहक पोतों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

पटना हाई कोर्ट ने रद्द कर दी पति की सजा

पत्नी को 'भूत-पिशाच' कहना क्रूरता नहीं : हाई कोर्ट

पटना। पटना हाई कोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले में कहा है कि पति द्वारा अपनी पत्नी को भूत-पिशाच कहना क्रूरता की श्रेणी में नहीं आता है। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा दोषी करार दिए गए पति की सजा रद्द करते हुए उसे बड़ी राहत दी है। जस्टिस बिबेक चौधरी की सिंगल बेंच ने पति-पत्नी के झगड़े और दहेज उत्पीड़ने से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वैवाहिक संबंधों में, खासकर असफल वैवाहिक संबंधों में, ऐसी घटनाएं होती हैं जहां पति और पत्नी दोनों एक-दूसरे के साथ गंदी भाषा का प्रयोग करते हैं और एक-दूसरे से गाली-गलौज करते हैं। इसलिए, ऐसे आरोप क्रूरता के दायरे में नहीं आ सकते हैं।

इसके साथ ही जस्टिस बिबेक चौधरी ने आईपीसी की धारा 498ए और दहेज निषेध अधिनियम 1961 की धारा 4 के तहत एक पति को निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा को रद्द कर दिया। नालंदा जिले की अदालत के अतिरिक्त न्यायाधीश ने इस मामले में आरोपी पति को दोषी करार दिया था। उसके बाद नालंदा की सीजेएम कोर्ट ने भी उस फैसले को बरकरार रखा था, जिसे पीड़ित ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।

हाई कोर्ट ने मामले में प्रतिवादी पत्नी के उन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि उसने पति की यातना के बारे में अपने पिता को कई चिट्ठी लिखकर इसकी शिकायत की थी। जब अदालत ने इस के सबूत मांगे तो प्रतिवादी उसे नहीं पेश कर सकी। कोर्ट ने दहेज के मामले में भी महिला के उस आरोप को खारिज कर दिया कि उसके पति ने दहेज में कार की मांग की थी। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आरोपी पति और उसके परिजनों पर लगाए गए आरोप विशिष्ट नहीं हैं। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भारतीय दंड संहिता की धारा 498 ए के तहत दर्ज मामला दोनों पक्षों के बीच व्यक्तिगत झगड़े, द्वेष और मतभेद का परिणाम था। कोर्ट ने उसे भी खारिज कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569